दैनिक
इंटीग्रेटेड ट्रेड
डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़
itdcnews.com
मध्य प्रदेश संस्करण
भारत सरकार डाक पंजीयन संख्या
MP/BHOPAL/4-504/2020-22
भारत सरकार आरएनआई संख्या
MPHIN/2018/77221
अंक 361, वर्ष 05, पृष्ठ 08, मूल्य रू. 2.00
भोपाल, बुधवार ,09 नवम्बर 2022

भारत का पहला प्राइवेट रॉकेट लॉन्चिंग को तैयार

नए युग की होगी शुरुआत

नई दिल्ली। भारत का पहला प्राइवेट रॉकेट विक्रम-एस 12 नवंबर से 16 नवंबर के बीच लॉन्च के लिए तैयार है। हैदराबाद स्थित अंतरिक्ष स्टार्टअप स्काईरूट एयरोस्पेस ने मंगलवार को यह घोषणा की। स्काईरूट एयरोस्पेस का पहला मिशन, जिसका नाम प्रारंभ है, तीन लोगों को ले जाएगा। इसे श्रीहरिकोटा में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के लॉन्चपैड से लॉन्च किया जाएगा। स्काईरूट एयरोस्पेस के सीईओ और सह-संस्थापक पवन कुमार चंदना ने कहा, अधिकारियों ने 12 नवंबर से 16 नवंबर के बीच लॉन्च विंडो को नोटिफाई किया है। मौसम की स्थिति के आधार पर अंतिम तारीख तय की जाएगी।

इस मिशन के साथ ही, स्काईरूट एयरोस्पेस भारत की पहली प्राइवेट कंपनी बन जाएगी जिसने अंतरिक्ष में रॉकेट लॉन्च किया हो। इसे एक नए युग की भी शुरुआत माना जा रहा है और इसे साल 2020 में प्राइवेट सेक्टर के लिए खोला गया था।

स्काईरूट एयरोस्पेस के सीईओ नागा भरत डाका ने कहा, विक्रम-एस रॉकेट एक सिंगल-स्टेज सब-ऑर्बिटल लॉन्च व्हीकल है जो तीन लोगों को ले जाएगा और अंतरिक्ष लॉन्च वाहनों की विक्रम श्रृंखला में अभिकल्प तकनीकों का परीक्षण और सत्यापन करने में मदद करेगा चंदना ने कहा कि इसरो और IN-SPACe (इंडियन नेशनल स्पेस प्रमोशन एंड ऑथराइजेशन सेंटर) के अमूल्य समर्थन के कारण ही स्काईरूट इतने कम समय में विक्रम-एस रॉकेट मिशन को तैयार कर सका। भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम के संस्थापक और प्रसिद्ध वैज्ञानिक विक्रम साराभाई को श्रद्धांजलि के रूप में स्काईरूट के लॉन्च वाहनों का नाम विक्रम रखा गया है। हैदराबाद में स्थित, स्काईरूट अंतरिक्ष में कमर्शियल सैटेलाइट्स को लॉन्च करने के लिए अत्याधुनिक अंतरिक्ष लॉन्च व्हीकल बनाता है।

तेल कंपनियों को सितंबर तिमाही में 2748 करोड़ का नुकसान

पेट्रोल, डीजल और LPG की कीमतों में बढ़ोतरी न होने के कारण हो रहा घाटा

नई दिल्ली। जुलाई-सितंबर तिमाही में देश की 3 सरकारी तेल कंपनियों इंडियन ऑइल कॉर्पोरेशन लिमिटेड , भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड को कुल मिलाकर 2748.66 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। तेल कंपनियों के मुताबिक पेट्रोल, डीजल और घरेलू LPG की कीमतों में बढ़ोतरी न होने के कारण कंपनियों को ये नुकसान उठाना पड़ रहा है।

कंपनियों के द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार को सितंबर तिमाही में 272 करोड़ रुपए का घाटा हुआ है जो कि पिछली तिमाही में 1995 करोड़ रुपए था। वहीं HPCL ने 2172 करोड़ रुपए का नुकसान दर्ज किया है, जो कि जून तिमाही में रिकॉर्ड 10196 करोड़ रुपए था। BPCः का दूसरी तिमाही में नुकसान 304 करोड़ रुपए था, पहली तिमाही में में नुकसान 6263 करोड़ रुपए का था।

घाटे में तेल बेच रही कंपनियां

बीते कई महीनों से कच्चा तेल 100 डॉलर प्रति बैरल के करीब बना हुआ है, लेकिन रिटेल पंप की पेट्रोल-डीजल के दाम लगभग 85-86 डॉलर प्रति बैरल के हिसाब से थी। इससे कंपनियों को नुकसान हुआ। सरकार ने बीते दिनों कहा था कि तेल कंपनियां खुदरा कीमतों में संशोधन करने के लिए स्वतंत्र हैं। हालांकि तीनों सरकारी तेल कंपनियों ने दरों को फ्रीज करने के कारणों के बारे में जानकारी नहीं दी है।

तेल कंपनियों को सरकार ने दी 22,000 करोड़ रुपए की राहत

पिछले महीने तेल कंपनियों को राहत देते हुए केंद्र सरकार ने बड़ा बोनांज देने का ऐलान किया था। तक सरकारी ऑयल मार्केटिंग कंपनियों को रसोई गैस के घाटे की भरपाई के लिए 22,000 करोड़ रुपए के आवंटन को मंजूरी दी गई थी।

तब सरकार ने कहा था ये कंपनियां LPG गैस मार्केट रेट से नीचे बेचकर नुकसान उठा रही हैं, ऐसे में यह सब्सिडी देकर सरकार उन्हें राहत दे रही है।

कैसे तय होती हैं पेट्रोल-डीजल की कीमतें?

जून 2010 तक सरकार पेट्रोल की कीमत निर्धारित करती थी और हर 15 दिन में इसे बदला जाता था। 26 जून 2010 के बाद सरकार ने पेट्रोल की कीमतों का निर्धारण ऑयल कंपनियों के ऊपर छोड़ दिया। इसी तरह अक्टूबर 2014 तक डीजल की कीमत भी सरकार निर्धारित करती थी, लेकिन 19 अक्टूबर 2014 से सरकार ने ये काम भी ऑयल कंपनियों को सौंप दिया। अभी ऑयल कंपनियां अंतरराष्ट्रीय मार्केट में कच्चे तेल की कीमत, एक्सचेंज रेट, टैक्स, पेट्रोल-डीजल के ट्रांसपोर्टेशन का खर्च और बाकी कई चीजों को ध्यान में रखते हुए रोजाना पेट्रोल-डीजल की कीमत निर्धारित करती हैं।

चुनाव में लग जाता है पेट्रोल-डीजल की कीमतों पर ब्रेक

एक्सपर्ट्स के अनुसार सरकार भले ही पेट्रोल-डीजल की कीमत निर्धारित करने में अपनी भूमिका से इन्कार करती हो, लेकिन बीते सालों में ऐसा देखा गया है कि चुनाव के दौरान सरकार जनता को खुश करने के लिए पेट्रोल-डीजल के दाम नहीं बढ़ाती है। पिछले सालों का ट्रेंड बता रहा है कि चुनावी मौसम में जनता को पेट्रोल-डीजल की बढ़ी कीमतों से राहत मिली है।

नरेन्द्र मोदी, राजनाथ सिंह ने लालकृष्ण आडवाणी को दी जन्मदिन की बधाई, घर पहुंचकर जाना हालचाल

नई दिल्ली। भाजपा के सीनियर नेता और मार्गदर्शक मंडल के सदस्य लालकृष्ण आडवाणी का आज जन्मदिन है। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आडवाणी के आवास पर जाकर उन्हें जन्मदिन की बधाइयां दीं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी पूर्व डिप्टी पीएम आडवाणी की जन्मदिन की बधाई देने उनके आवास पहुंचे। सिंह ने ट्वीट करके खुद इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आदरणीय आडवाणीजी के आवास पर जाकर उन्हें जन्मदिवस की शुभकामनाएं दीं। मैं भगवान से उनके अच्छे स्वास्थ्य और लम्बी आयु की कामना करता हूं। राजनाथ सिंह ने ट्वीट करके कहा, श्रद्धेय लाल कृष्ण आडवाणी जी को उनके जन्मदिवस पर ढेरों शुभकामनाएं। उनकी गिनती भारतीय राजनीति की कद्दावर हस्तियों में होती है। देश, समाज और दल की विकास यात्रा में उनका अत्यंत महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

महानगरों में तेल की कीमतों में बदलाव नहीं

यूपी में सस्ता , बिहार में महंगा हुआ

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में आये बदलाव का असर भारतीय बाजार में भी पड़ा है जहां महानगरों में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। वहीं उत्तर प्रदेश में यह सस्ता हुआ है जबकि बिहार में महंगा। उत्तर प्रदेश के कई शहरों में पेट्रोल-डीजल के दाम गिरे हैं। राजधानी पटना में पेट्रोल का भाव 108 रुपये प्रति लीटर से भी ऊपर निकल गया है हालांकि, कंपनियों ने आज भी दिल्ली-मुंबई जैसे देश के चारों महानगरों में तेल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है।

दिल्ली में पेट्रोल 96.65 रुपये और डीजल 89.82 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.92 रुपये और डीजल 90.08 रुपये प्रति लीटर पहुंच गया है। वहीं लखनऊ में पेट्रोल 96.43 रुपये और डीजल 89.63 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 108.12 रुपये

और डीजल 94.86 रुपये प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में पेट्रोल 96.58 रुपये और डीजल 89.75 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

गौतमबुद्ध नगर जिले (नोएडा-ग्रेटर नोएडा) में पेट्रोल का भाव 8 पैसे गिरकर 96.92 रुपये लीटर और डीजल का भाव 6 पैसे टूटकर 90.08 रुपये प्रति लीटर पहुंच गया है। लखनऊ में पेट्रोल के दाम 13 पैसे कम होकर 96.43 रुपये और डीजल की कीमतें 12 पैसे गिरकर 89.63 रुपये लीटर पहुंच गयी हैं। वहीं पटना में पेट्रोल के भाव 88 पैसे बढ़कर 108.12 रुपये प्रति लीटर पहुंच गये हैं। वहीं डीजल 82 पैसे महंगा होकर 94.86 रुपये प्रति लीटर पर बिक रहा है।

अगर कच्चे तेल की बात करें तो पिछले 24 घंटे में इसकी कीमतों में भी कुछ गिरावट आई है। ब्रेंट क्रूड की कीमतें करीब एक डॉलर टूटकर 97.92 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गयी है। वहीं डब्ल्यूटीआई एक डॉलर की गिरावट के साथ 92.04 डॉलर प्रति बैरल के भाव बिक रहा है।

एलन मस्क की नेटवर्थ में दर्ज की गई 54 हजार करोड़ रुपए की गिरावट

नई दिल्ली। *दुनिया के सबसे बड़े रईस एलन मस्क की नेटवर्थ में तेजी से गिरावट आ रही है। बिलियेनर इंडेक्स के मुताबिक उनकी नेटवर्थ में 6.60 अरब डॉलर यानी करीब 54 हजार करोड़ रुपए की गिरावट दर्ज की गई है। इलेक्ट्रिक कार बनाने वाली उनकी कंपनी टेस्ला के शेयरों में हफ्ते के पहले दिन 5 फीसदी से अधिक गिरावट आई है। मस्क की नेटवर्थ अब 183 अरब डॉलर रह गई है। उल्लेखनीय है कि इस साल उनकी नेटवर्थ में 87.1 अरब डॉलर की कमी आई है।*

इस साल नेटवर्थ गंवाने के मामले में वह फेसबुक (मेटा) के सीईओ मार्क जकरबर्ग के बाद दूसरे नंबर पर हैं। जकरबर्ग की नेटवर्थ में इस साल 88.2 अरब डॉलर की गिरावट आई है। पिछले साल नवंबर के शुरुआत में मस्क की नेटवर्थ 335 अरब डॉलर पहुंच गई थी। इस तरह एक साल में इसमें 152 अरब डॉलर की कमी आई है। इस बीच भारत और एशिया के सबसे बड़े रईस गौतम अडानी एक बार फिर दुनिया के अमीरों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर पहुंचने के करीब पहुंच गए हैं। सोमवार को उनकी नेटवर्थ में 2180 अरब डॉलर का इजाफा किया गया है और यह अब 136 अरब डॉलर के करीब पहुंच गई है। अडानी इस साल सबसे ज्यादा कमाई करने वाले शख्स हैं। इस साल उनकी नेटवर्थ 59 अरब डॉलर बढ़ी है। इसके साथ ही वह एक बार फिर दुनिया के अमीरों की लिस्ट में नंबर दो बनने के करीब पहुंच गए हैं। अभी इस पायदान पर फ्रांस के बर्नार्ड आर्नाल्ट हैं जिनकी नेटवर्थ 143 अरब डॉलर है। देश की सबसे मूल्यवान कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी इस लिस्ट में आठवें नंबर पर आते हैं। उनकी नेटवर्थ 90 अरब डॉलर है। सोमवार को इसमें 1.04 अरब डॉलर का इजाफा हुआ है। इस साल उनकी नेटवर्थ में 5.6 करोड़ डॉलर का इजाफा हुआ है। इस लिस्ट में चौथे नंबर पर ऐमजॉन के जेफ बेजोस (114 अरब डॉलर), पांचवें नंबर पर बिल गेट्स (108 अरब डॉलर), छठे नंबर पर दिग्गज निवेशक वॉरेन बफेट (102 अरब डॉलर), सातवें नंबर पर लैरी एलीसन (91.2 अरब डॉलर), नौवें नंबर पर लैरी पेज (83 अरब डॉलर) और दसवें नंबर पर स्टीव बाल्मर (81 अरब डॉलर) हैं।

कानपुर सेंट्रल रेलवे स्टेशन पर खुदाई में निकला शिवलिंग आकार का पत्थर, लिपटा था नाग-नागिन का जोड़ा

कानपुर। कानपुर सेंट्रल रेलवे स्टेशन पर मंगलवार सुबह खुदाई के दौरान शिवलिंग जैसे तीन पत्थर निकले। कहा जा रहा है कि इसपर नाग-नागिन का जोड़ा लिपटा हुआ था जो बाद में जमीन के अंदर कहीं चला गया। जमीन के नीचे शिवलिंग मिलने की खबर मिलते ही आसपास के इलाके के कई लोग वहां जमा हो गए। कहा जा रहा है कि ये शिवलिंग ब्रिटिश काल के समय के हो सकते हैं। मामले की जानकारी मिलते ही आरपीएफ और रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए। जानकारी के मुताबिक सेंट्रल रेलवे स्टेशन पर पिछले एक साल से आरपीएफ सेंट्रल थाने के पास एस्केलेटर और पैदल पूल बनाने के लिए निर्माण कार्य चल रहा है। एस्केलेटर बनाने के लिए सोमवार को वहां खुदाई शुरू हुई। मंगलवार सुबह दूसरी तरफ लोहे का एंगल लगाने के लिए खुदाई शुरू हुई। खुदाई के दौरान मलबा हटाते ही तीन शिवलिंग दिखाई दिए। कहा जा रहा है कि जिस वक्त लोगों ने शिवलिंग देखा उस वक्त उसपर नाग-नागिन का जोड़ा भी था जो शिवलिंग से लिपटा हुआ था। बाद में नाग-नागिन का जोड़ा मिट्टी के भीतर से होता हुआ कहीं निकल गया। नाग-नागिन का जोड़ा कहां गया ये पता नहीं चल सका है।

कहा जा रहा है कि ये शिवलिंग प्राचीन है जो ब्रिटिश काल या उससे पहले का लग रहा है। माना जा रहा है कि यहां कोई सिव मंदिर रहा होगा जो रेलवे स्टेशन बनते समय दब गया होगा। खुदाई में मिले शिवलिंग आकार के पत्थर की जांच कराई जाएगी। रेलवे के इंजीनियरिंग विभाग के अधिकारियों को भी मौके पर बुलाया गया है साथ ही कहा जा रहा है कि पुरातत्व विभाग के अधिकारियों को भी बुलाकर जांच कराई जाएगी।

2-3 अरबपति दोस्तों के लिए की थी नोटबंदी, राहुल का मोदी पर तंज

नई दिल्ली। नोटबंदी के 6 साल पूरे होने के मौके पर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने पीएम नरेंद्र मोदी पर तंज कसा है। कांग्रेस नेता ने मंगलवार को नोटबंदी को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि यह 2-3 अरबपति दोस्तों को फायदा पहुंचाने के लिए किया गया था था। उन्होंने अपने ट्वीट में पीएम मोदी पर तंज कसते हुए पेपीएम लिखा है। बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आठ नवंबर, 2016 को अर्थव्यवस्था में भ्रष्टाचार और काले धन की समस्या को दूर करने के उद्देश्य से 500 और 1,000 रुपये के नोटों को चलन से बाहर कर दिया था। इसको लेकर राहुल गांधी शुरू से ही हमलावर हैं।

शेयर बाजार की 60 फ़ीसदी कंपनियों का नेगेटिव रिटर्न

मुंबई। *भारतीय शेयर बाजार इस साल दुनियाभर के बाजारों में सबसे बेहतर रिटर्न देने वाला माना गया है, विदेशी निवेशकों के बाजार रिटर्न की दृष्टि से भारतीय शेयर बाजार जस्ट अच्छा है, किंतु इसकी वास्तविक स्थिति अंदर से मजबूत नहीं है, जिसके दुष्परिणाम कभी भी देखने को मिल सकते हैं। शेयर बाजार अति टाइम हाई बना हुआ है, शेयर बाजार में लिस्टेड 21 परसेंट बड़ी कंपनियों में ही अक्टूबर 2021 से अब तक 20 फीसदी से अधिक का रिटर्न दिया है, वहीं 60 फीसदी से ज्यादा कंपनियां इसी अवधि में नेगेटिव रिटर्न देने वाली कंपनियां रही है. जो 10 कंपनियों का ताज आप पीरियड खत्म होने जा रहा है. उनके शेयर में भी गिरावट होने की आशंका, शेयर बाजार में व्यक्त की जा रही है. 60 फीसदी कंपनियों के शेयर पहले से ही इन्फ्र प्राइस से नीचे कारोबार कर रहे हैं. अर्से बाद भी शेयर बाजार लगातार ऊंचाइयों पर बने रहना, विदेशी निवेशकों के अनुसार निवेशकों के लिए बहुत जोखिम भरा है. शेयर बाजार की इस तेजी से छोटे निवेशकों के साथ-साथ संस्थागत विदेशी निवेशकों के लिए भी बड़ा खतरा माना जा रहा है।*

सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी

शिक्षा लाभ कमाने का व्यवसाय नहीं, ट्यूशन फीस होनी चाहिए सस्ती

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि शिक्षा लाभ कमाने का व्यवसाय नहीं है और ट्यूशन फीस हमेशा सस्ती होनी चाहिए। बता दें कि आंध्र प्रदेश सरकार ने फीस 24 लाख रुपये प्रति वर्ष बढ़ाने का निर्णय किया था, जो निर्धारित फीस से सात गुना अधिक थी। इसको बाद में हाई कोर्ट ने रद्द कर दिया। जस्टिस एमआर शाह और जस्टिस सुधांशु धूलिया की बेंच ने सोमवार को आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट के आदेश को बरकरार रखते हुए यह टिप्पणी की।

आंध्र प्रदेश सरकार ने 6 सितंबर, 2017 को अपने सरकारी आदेश में एमबीबीएस छात्रों की ट्यूशन फीस में वृद्धि की थी। अदालत ने कहा, हमारी राय है कि हाई कोर्ट ने 6 सितंबर, 2017 के उस सरकारी आदेश को रद्द करने में कोई गलती नहीं की है, जोकि 2017-2020 के लिए ट्यूशन फीस बढ़ाने से जुड़ा हुआ है। कोर्ट ने कहा, फीस को बढ़ाकर 24 लाख रुपये सालाना करना यानी पहले तय फीस से सात गुना

ज्यादा करना बिल्कुल भी जायज नहीं था। शिक्षा लाभ कमाने का धंधा नहीं है। ट्यूशन फीस हमेशा सस्ती होनी चाहिए। कोर्ट ने आगे कहा कि ट्यूशन फीस का निर्धारण/ समीक्षा करते समय कुछ कारकों पर प्रवेश और शुल्क नियामक समिति (AFRC) द्वारा विचार किया जाना आवश्यक है। आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय ने 6 सितंबर, 2017 के सरकारी आदेश के तहत ट्यूशन फीस की राशि वापस करने के निर्देश जारी करने में कोई गलती नहीं की है। इसलिए, हाई कोर्ट का सरकार के फैसले को रद्द करना बिल्कुल उचित है।

राशि को जारी रखने की अनुमति नहीं दी जा सकती

कोर्ट ने बताया कि प्रबंधन को अवैध सरकारी आदेश दिनांक 06.09.2017 के अनुसार बरामद/एकत्र की गई राशि को बनाए रखने की अनुमति नहीं दी जा सकती है। अदालत ने कहा, जैसा कि उसने नोट किया कि मेडिकल कॉलेजों ने कई वर्षों तक राशि का उपयोग किया है और कई वर्षों तक अपने पास रखा है। वहीं, दूसरी ओर छात्रों ने वित्तीय संस्थानों और बैंकों से कर्ज प्राप्त करने के बाद ज्यादा ट्यूशन फीस का भुगतान किया है और उच्च ब्याज दर दी।

मेडिकल की पढ़ाई में आतंक पीड़ितों को मिलेगा आरक्षण, केंद्र ने रिजर्व कीं सीटें

जम्मू। जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद से पीड़ित परिवारों को राहत देते हुए गृह मंत्रालय ने बड़ा फैसला लिया है। अब केंद्र शासित प्रदेश के सरकारी कॉलेजों में एमबीबीएस और बीडीएस जैसे मेडिकल कोर्सेज में एडमिशन के लिए आतंकवाद से पीड़ित परिवारों के बच्चों को आरक्षण दिया जाएगा। यह फैसला फिलहाल अकादमिक वर्ष 2022-23 के लिए लागू रहेगा। यह आगे भी लागू रहेगा या नहीं, इस पर भविष्य में फैसला लिया जाएगा। होम मिनिस्ट्री के फैसले के मुताबिक आतंकवाद से पीड़ित लोगों के पति अथवा पत्नियों या फिर बच्चों को आरक्षण दिया जाएगा। होम मिनिस्ट्री की ओर से जारी किए गए नोटिफिकेशन को

एलजी मनोज सिन्हा की अध्यक्षता वाली सरकार ने भी मंजूरी दे दी है।

गृह मंत्रालय की ओर से जारी नोटिफिकेशन में कहा गया है कि उन बच्चों को प्राथमिकता दी जाएगी, जिन्होंने आतंकी हमलों में अपने दोनों पैरेंट्स को खो दिया हो। यदि किसी परिवार के इकलौते कमाने वाले शख्स की आतंकवादी हमले में मौत हुई है या फिर वह दिव्यांग हो गया है तो उसके परिजनों को भी यह कोटा मिलेगा। यह कोटा उन लोगों को मिलेगा, जो जम्मू कश्मीर के स्थायी निवासी होंगे। इसके वाला केंद्र शासित प्रदेश में रहने वाले राज्य और केंद्र सरकार के कर्मचारियों एवं अन्य विभागों के एंप्लॉयीज के परिजनों को भी यह कोटा मिलेगा।

विधायक उमाकांत शर्मा ने कार्यपालन यंत्री के साथ किया स्थलों का अवलोकन

सिरोंज-लटेरी के पर्यटन स्थलों पर होंगे डेढ़ करोड़ के विकास कार्य

सिरोंज। सिरोंज एवं लटेरी के धार्मिक एवं ऐतिहासिक स्थलों पर पर्यटन विभाग के माध्यम से सौंदर्यकरण के लिए विधायक उमाकान्त शर्मा के विशेष प्रयासों से स्वीकृत हुए विकास कार्यो का पर्यटन विभाग भोपाल के वरिष्ठ अधिकारियों ने भ्रमण कर अवलोकन किया।

पर्यटन विभाग से स्वीकृत हुए करीब डेढ़ करोड़ की राशि से होने वाले विकास कार्यो में प्रमुख रूप से सिरोंज के प्रसिद्ध तीर्थ स्थल देवपुर सहित सियाराम बाबा की आश्रम स्थली आमझिर ओर बड़ी मदागन लटेरी में तीर्थ यात्रियों के विश्राम हेतु दिवस बसेरा शेड निर्माण सहित फर्श निर्माण, लाइटिंग,बैठने के लिए कुर्सी ओर शौचालयों आदि का निर्माण शामिल है।

मंगलवार को विधायक उमाकांत शर्मा के साथ भोपाल से सिरोंज पहुँचे पर्यटन विभाग के मुख्य कार्यपालन यंत्री ब्रजेश तिवारी ने विभाग के इंजीनियरों की टीम के साथ प्रस्तिद्ध तीर्थ स्थल देवपुर पहुँचकर मंदिर के सामने प्रस्तावित मैदान में विशाल शेड निर्माण स्थल का अवलोकन

किया। टीम ने यहाँ पूर्व मंत्री स्व. लक्ष्मीकांत शर्मा द्वारा पूर्व में पर्यटन विभाग के माध्यम से कराए गए कार्यो का भी अवलोकन किया। इस मौके पर विधायक उमाकान्त शर्मा ने यात्रियों की सुविधा के लिए अनेक दिनों से देखरेख के अभाव में क्षतिग्रस्त हो रहे सार्वजनिक शौचालय के रिनोवेशन कराने के भी निर्देश दिए। यह करीब 55 लाख रु के विकास कार्य विभाग के माध्यम से होना है। इसके बाद दल में शामिल अधिकारियों ने लटेरी तहसील के प्रसिद्ध तीर्थ स्थल आमझिर ओर बड़ी मदागन का दौरा किया। यहाँ महंत श्री पुरुषोत्तम दास जी त्यागी के मार्गदर्शन में विधायक उमाकांत शर्मा ने अपनी कार्ययोजना से अधिकारियों को अवगत कराया। यहाँ मंदिर प्रांगण में करीब 16 लाख से अधिक राशि से दिवस बसेरा शेड एवं शौचालय का निर्माण किया जाएगा। यहाँ उन्होंने प्राचीन दूधिया कुंड की बाउंड्री को ठीक कराने के भी निर्देश दिए। इसी प्रकार बड़ी मदागन मंदिर परिसर में करीब 53 लाख की लागत से बनने वाले दिवस बसेरा शेड एवं अन्य विकास कार्यो की कार्ययोजना से अवगत कराया। इस मौके पर पर्यटन विभाग के दल से विधायक उमाकांत शर्मा ने इन स्थलों पर भविष्य में नागरिकों की सुविधाओ के विस्तार हेतु पर्यटन विभाग के अधिकारियों से कार्ययोजना भी तैयार करने हेतु निर्देशित किया।

उल्लेखनीय है कि पूर्व में विधायक उमाकान्त शर्मा में मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान एवं पर्यटनमंत्री सुश्री उषा ठाकुर से सिरोंज के धार्मिक एवं पर्यटन की दृष्टि से ऐतिहासिक स्थलों पर महत्वपूर्ण पर्यो एवं त्योहारों पर उमड़ने वाली श्रद्धालुओं की भीड़ को सुविधाएं प्रदान करने की दृष्टि से×द्धद्धश्वश्च; विकास कार्य कराए जाने हेतु प्रस्ताव सौपकर मांग की थी जिस पर कार्यवाही करते हुए पर्यटन विभाग के माध्यम से इन स्थलों के लिए तीर्थ यात्रियों की सुविधा के लिए डेढ़ करोड़ के विकास कार्यो को स्वीकृति×द्धद्धश्वश्च; प्रदान की है। इस मौके पर प्रमुख रूप से सिरोंज के अनुविभागीय अधिकारी प्रवीण प्रजापति, लटेरी तहसीलदार अजय शर्मा, सहित प्रमुख विभागों के अधिकारीगण एवं प्रमुख जनप्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

सिरोंज एवं लटेरी के महत्वपूर्ण तीर्थस्थलों पर मध्यप्रदेश शासन की ओर से स्वीकृति मिलने पर सिरोंज एवं लटेरी मण्डल के नेताओं ने माननीय मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान,पर्यटनमंत्री उषा ठाकुर,प्रभारी मंत्री विश्वास सारंग एवं विधायक उमाकान्त शर्मा का आभार व्यक्त किया है। आभार व्यक्त करने वालों में×द्धद्धश्वश्च; सिरोंज मण्डल अध्यक्ष पारस तारण देवपुर मंडल अध्यक्ष झारसिंह दाँगी, चितावर मण्डल अध्यक्ष चरण सिंह राजपूत,लटेरी मण्डल अध्यक्ष राजकंवर बघेल, आनंदपुर मण्डल अध्यक्ष राजेश यादव,भैरो सिंह जादौन, लक्ष्मणसिंह बघेल, कैलाश शर्मा,महेंद्र सिंह दाँगी, भारत सिंह राजपूत, जनपद अध्यक्ष हमीर सिंह यादव,पूर्व जनपद अध्यक्ष जितेंद्र बघेल, सिरोंज नपाध्यक्ष मनमोहन साहू,लटेरी नपाध्यक्ष शैलेश संजय भंडारी,आशीष शर्मा आदि नेतागण शामिल थे।

कमिश्नर व कलेक्टर ने सिवनी मालवा नपा के अधिकारी कर्मचारियों को किया सम्मानित

सिवनी मालवा। नगर पालिका सिवनी मालवा के अधिकारी कर्मचारियों को उत्कृष्ट कार्य करने पर कमिश्नर कलेक्टर द्वारा सम्मानित किया गया है। मध्यप्रदेश स्थापना दिवस अंतर्गत कार्यक्रम में नगर पालिका सिवनी मालवा के सीएमओ राकेश मिश्रा,मुख्य लिपिक संजय पांचल,उपअभि राहुल शर्मा, सहायक राजस्व निरीक्षक हेमंत चौकसे,कंप्यूटर ऑपरेटर कमलेश राठौर एवं विशाल रघुवंशी को जिला स्तर पर नर्मदापुरम कमिश्नर मालसिंह एवं कलेक्टर नीरज कुमार सिंह द्वारा मध्य प्रदेश स्थापना दिवस समारोह अंतर्गत मुख्यमंत्री जन सेवा अभियान एवं शासन से संबंधित अन्य योजनाओं में उत्कृष्ट कार्य करने पर जिला स्तर कार्यक्रम नर्मदापुरम में प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। जिसमें जिले के सभी अधिकारी कर्मचारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे मुख्य नगरपालिका अधिकारी राकेश मिश्रा ने बताया कि हमारा उद्देश्य शासन के निर्देशानुसार निकाय सिवनी मालवा के नागरिकों को शासन स्तर की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ मिले इसको लेकर विभिन्न अभियानों का संचालन किया जाता है जिसमें उत्कृष्ट कार्य करने वाले निकाय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को कमिश्नर मध्देश एवं कलेक्टर महोदय के द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया यह नगर पालिका कर्मचारियों एवं नगर के लिए बड़े गौरव की बात है।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ संपन्न हुआ स्थापना दिवस, कलाकारों ने दी शानदार प्रस्तुति

कलाकारों ने दी आकर्षक नृत्य की प्रस्तुति

शाजापुर। एक नवम्बर से 07 नवम्बर तक मनाए गए मध्यप्रदेश स्थापना दिवस समारोह का समापन जिला मुख्यालय पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ हुआ। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष हेमराजसिंह सिसोदिया, नगरपालिका अध्यक्ष प्रेम जैन, शुजालपुर बबीता परमार, कलेक्टर दिनेश जैन मौजूद थे। समापन समारोह में कलेक्टर ने बताया कि 01 से 07 नवम्बर तक जिले में स्थापना दिवस पर विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गई थी। साथ ही प्रदेश में जरूरतमंद एवं पात्र लोगों का शासन की योजनाओं का लाभ प्राप्त हो, इसके लिए मुख्यमंत्री जन सेवा अभियान के तहत 31 अक्टूबर तक ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में शिविर लगाए गए थे।

इन शिविरों में कुल 1 लाख 36 हजार आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 1 लाख 16 हजार आवेदनों का निराकरण किया गया तथा 20 हजार आवेदन अस्वीकृत किए गए हैं। निराकृत आवेदनों में 70 हजार आवेदन आयुष्मान कार्ड बनाने से

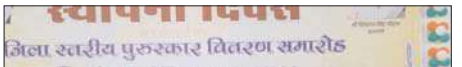

संबंधित थे। इस मौके पर जिला पंचायत अध्यक्ष ने कहा कि शासन की योजनाओं का प्रत्येक जरूरतमंद को लाभ प्राप्त हो, इसके लिए सभी विभाग मुस्तैदी के साथ कार्रवाई करें। कार्यक्रम के दौरान संगीत कला संस्थान उज्जैन के दल ने आकर्षक लोक नृत्य प्रस्तुत किए। वहीं शाजापुर जिले के भगवानसिंह मालवीय ने कबीर भजन प्रस्तुत किए। इस अवसर पर भोपाल के रवींद्र भवन में आयोजित राज्य स्तरीय पुरस्कार वितरण समारोह का सीधा प्रसारण भी दिखाया गया। समारोह के अंत में स्थापना दिवस समारोह के अंतर्गत संपन्न हुई विभिन्न गतिविधियों एवं प्रतियोगिताओं के विजेताओं को प्रमाण-पत्र एवं शील्ड वितरित की गई।

राज्यस्तरीय बॉडी बिल्डिंग में सीहोर ने जीते सोना-चाँदी

सीहोर। गत दिनों राजपुर बड़वानी में आयोजित हुई 62 वी ओपन राज्यस्तरीय बॉडी बिल्डिंग प्रतियोगिता आयोजित हुई। जिसमे सीहोर जिले के 4 खिलाडियों ने भाग लेकर एक गोल्ड तीन सिल्वर मेडल जीते। प्रतियोगिता में विकास परमार ने 70 किग्रा वर्ग में गोल्ड मेडल जीता, यश डेविड ने 75 किग्रा वर्ग में सिल्वर मेडल जीता, दीपक राठौर को 55 किग्रा वग में सिल्वर मेडल जीता इसी के साथ ही दीपक राठौर मेन फिजिक में भी सिल्वर मेडल जीता । मास्टर बॉडी बिल्डिंग में अभिमन्यु बैरागी ने 60 किग्रम वर्ग में चौथा स्थान प्राप्त किया। इस टीम के कोच जुबेर कुरेशी अंतर्राष्ट्रीय बॉडी बिल्डर थे। इन खिलाडियों की इस उपलब्धि पर सीहोर जिला बॉडीबिल्डिंग संरक्षक अखिलेश राय, विधायक सुदेश राय, सचिव गणेश चौरसिया, कुशल राय, जिला खेल अधिकारी अर्विन्द एलियजर, अतउल्लाह खान, आलोक शर्मा खेल अधिकारी, रविन्द्र सिंह चौहान, मुकेश राठौर, दीपक शर्मा, जॉली कुरियन, के.पी. विश्वकर्मा, विष्णु प्रजापति, विक्की मूलचंदानी, राजू कौशल, हरीश तोलानी, रिंकू जायसवाल, दिनेश दांगी, हिमांशु राय, राकेश यादव, अमित जोशी, कपिल चौरसिया, जीवन मेवाड़ा, शैलेंद्र चौहान, अमित जोशी सहित अनेक खेल प्रेमियों ने बधाई एवं शुभकामनाये दी ।

आवारा मवेशियों ने सडको पर डारा डेरा , हो सकती है दुर्घटनाऐं

सिरोंज। मुख्य मार्गो पर इन दिनों आवारा मवेशियों ने डेरा डाल रखा है जिससे कभी भी कोई बडी दुर्घटना हो सकती है । सबसे ज्यादा आवारा मवेशी कछम पथ बासोदा नाका तहसील रोड व अन्य मोर्गे पर आवारा मवेशी बैठे दिखाई देगे जिससे आये दिन चार पाहिया वाहन टेक्टर मोटर साइकल वाले काफी परेशान है आवारा मवेशी बीच सडक पर झुड बनाकर डेरा डाल लेते है जिससे वाहन चालक हार्न बजा बजा कर थक हार कर नीचे उतर कर सडक से हटाता है जब जाके वाहन निकाल पाते है । इस और नगर पालिका ध्यान नही है और आवारा मवेशियों को गौशाला नही भेजा जा रहा है । ग्रामीण क्षेत्रो को जाने वाले मार्गो की सडक पर इन दिनों मवेशियो का जमावडा लगा रहता है जिससे वाहन चालकों की समस्या उठानी पड रही है तथा दुर्घटनाओं की आशंका भी बनी रहती है ।

वाहन चालको की समस्या रात के समय कई गुना बढ जाती है क्यो कि रात के समय इनकी संख्या अधिक हो जाती है ये आवारा मवेशी किसी ऐसे पशुपालक के नही है कि जिसने थोडी देर के लिए उन्हे छोडा है बल्कि ऐसे पशुपालकों के है जिन्होने पशुपालन में आ रही विभन्न परेशानियों के कारण मवेशियों को हमेशा हमेशा के लिए छोड दिया है तथा पशुपालन से तौबा कर लिया है। कुछ आसपास के किसानो ने मवेशियों को इकट्ठा कर दूसरे ग्रामो से लाकर नगर में छोड दिया जाता है जिससे नगर के लोगो को परेशान होते है ।

अपने नंबर बढ़ाने की जुगत में

कांग्रेस के सभी गुट यात्रा के स्वागत की तैयारियों में जुटे

बुरहानपुर। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा ग्राम बोदराली खुचकर मध्यप्रदेश में प्रवेश करेगी इसके चलते जिला कांग्रेस कमेटी के नगर अध्यक्ष अजय रघुवंशी एवं उनकी पूरी टीम स्वागत की तैयारियों में जुटी हुई है बुरहानपुर में राहुल गांधी का ऐतिहासिक स्वागत हो ऐसे प्रयास किए जा रहे हैं वैसे तो जिले में कांग्रेस विभिन्न गुटों में बटी हुई है लेकिन राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के बुरहानपुर पहुंचने पर उन का ऐतिहासिक स्वागत हो तथा राहुल की नजरों में उनके नंबर बढ़ें इस को लेकर सभी नेता अपने अपने स्तर पर काम से लगे हैं यात्रा के स्वागत को लेकर मुख्य भूमिका शहर कांग्रेस अध्यक्ष अजय रघुवंशी निभा रहे हैं तथा अन्य गुटों के नेताओं ने भी जिम्मेदारियां संभाल रखी है महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश की सीमा से लगे ग्राम बोदराली से यात्रा मध्यप्रदेश में प्रवेश करेगी इसको लेकर प्रदेश भर के कांग्रेस के बड़े नेता 19 नवंबर तक बुरहानपुर पहुंचने की संभावनाएं हैं तथा कांग्रेस के बेखि और कनिष्ठ नेताओं के रुकने के लिए शहर भर के होटल लॉज और समाज की धर्मशालों के बुक होने का सिलसिला जारी है 20 नवंबर के यात्रा आगमन की तैयारियों को देखने कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ जी 12 नवंबर को बुरहानपुर आने वाले हैं प्रदेश स्तर पर पूरी में बटी कांग्रेस के नेता अपने नंबर राहुल गांधी की नजरों में बढ़ाने के लिए सोशल मीडिया पर जमकर प्रचार में लगे हैं बाज के प्रदेश समन्वयक कैलाश अग्रवाल सज्जन सिंह वर्मा अरुण यादव सहित दर्जन भर नेता अब तक बुरहानपुर पहुंचकर यात्रा के स्वागत तैयारियों पर स्थानीय नेताओं और कार्यकर्ताओं से मिलकर इसे सफल बनाने की अपील कर चुके हैं वहीं जहां कांग्रेस के स्वागत में जगीनी स्तर पर मेहनत हो रही है वही यात्रा के पूरे रास्ते ग्राम बोदराली से ट्रांसपोर्ट नगर तक के पूरे मार्ग पर होर्डिंग लगाने के लिए खींचतान भी चल रही है राहुल गांधी अपनी यात्रा विश्राम के बाद 22 नवंबर को प्रातः यात्रा प्रारंभ कर ट्रांसपोर्ट नगर में एक जनसभा को भी संबोधित करेंगे इसे लेकर भी जिला कांग्रेस कमेटी के अजय रघुवंशी व्यवस्थाओं में जुटे हैं राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा से जिले में कांग्रेस के किस गुट के नेता बढ़ेंगे यह तो अने वाला समय ही बताएगा।

सतगांव सोसायटी प्रबंधक के साथ हुई लूट का पुलिस ने किया खुलासा

अन्य वारदातों को सुलझाने में नही मिली सफलता, प्रेसवार्ता के दौरान मौजूद पुलिसकर्मी

शाजापुर। सोसायटी प्रबंधक के साथ हुई लूट के मामले में पुलिस ने एक नाबालिग को गिरफ्तार कर नकदी बरामद किया है। वहीं शेष आरोपियों की तलाश की जा रही है। मंगलवार को एसडीओपी दीपा डोडवे ने कोतवाली थाना पर प्रेसवार्ता आयोजित कर बताया कि 20 अक्टूबर 22 को सतगांव सोसायटी संस्था प्रबंधक सजनसिंह के साथ दुपाड़ा रोड पर बाइक सवार बदमाशों ने वारदात को अंजाम देते हुए 3 लाख 27 हजार 600 सौ रुपए लूट लिए थे। मामले में अज्ञात आरोपियों के विरूद्ध प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू की गई। विवेचना के दौरान मिले साक्ष्यों के आधार पर नाबालिक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 57 हजार रुपए की राशि बरामद की गई है।

नाबालिग आरोपी ने उक्त घटना को अपने साथियों के साथ मिलकर अंजाम दिया जाना कुबूल किया और लूटी गई राशि को आपस में बाटना बताया। इस पर नाबालिग आरोपी की गिरफ्तार किया गया है। साथ ही अन्य आरोपियों को भी जल्द ही गिरफ्तार कर शेष लूटी गई राशि को बरामद

किया जाएगा। लूट की इस वारदात का खुलासा करने में आरक्षक कपील नागर, जसवंत जाटव सहित अन्य पुलिसकर्मियों की सराहनीय भूमिका रही।

रैकी कर दिया था वारदात को अंजाम

प्रेसवार्ता के दौरान एसडीओपी डोडवे ने बताया कि सोसायटी प्रबंधक जब राशि जमा कराने के लिए बैंक जा रहे थे, तभी दो बाइकों पर सवार होकर आए बदमाशों ने नोटों से भरा बैग लूट लिया था। यह वारदात रैकी के आधार पर की गई थी। जांच के दौरान यह तथ्य सामने आए हैं कि आरोपियों के द्वारा बीते कई दिनों से प्रबंधक की रैकी की जा रही थी, इसके बाद ही वारदात को अंजाम दिया गया था। हालांकि शेष आरोपियों की गिरफ्तारी होने के बाद और अन्य वारदातों का खुलासा होने की संभावना है।

अन्य वारदातों का नही हो सका खुलासा

गौरतलब है कि शाजापुर शहरी क्षेत्र में चोरों के हौंसले बुलंद हैं और यही कारण है कि बीते कई दिनों में बदमाशों ने बिजली ट्रांसफार्मरों से तार चोरी करने के साथ ही न्यायाधीश के पुत्र के मकान को भी निशाना बनाया था। इसीके साथ बीकेएसएन कालेज की सहायक प्राध्यापक के गले से सोने की चेन लूटकर भी बदमाश फरार हो गए थे। इसी तरह म्हूपुरा क्षेत्र से सरकारी आवास से भी बदमाश लाखों रुपए के आभूषण चोरी कर फरार हो गए थे, लेकिन पुलिस ने तो न्यायाधीश के घर हुई चोरी की वारदात का खुलासा कर सकी है और न ही पुलिस को प्राध्यापक के गले से लूटी गई सोने की चेन के मामले में कोई सफलता मिली है। इसीके साथ अन्य वारदातों का भी खुलासा नही हुआ है। ऐसे में एसडीओपी डोडवे का कहना है कि मामले में पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में टीम का गठन हो चुका है और वे लगातार विवेचना कर रही है।

सरकारी नलो की टोटियां गायब व्यर्थ बह रहा हजारों लीटर पानी

सिरोंज। शहर में विभिन्न जगहों पर व्यर्थ बह रहे पानी के प्रति नपा को कोई चिंता नही है। अब कर्मचारियों के साथ अधिकारी भी लापरवाही बरत रहे है। शहर में आए दिन गली-मोहल्लों के साथ मुख्य मागों पर लाइन लीकेज होने से पानी की बर्बादी हो रही है। सड़क पर पानी का भराव रहने से आवागमन में राहगीरों व वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

नगर के कई वार्डो में सरकार नलों की टोटियां गायब हो गई है जिससे हजारों लीटर पानी व्यर्थ बह रहा है लेकिन नगर पालिका के जिम्मेदारों का इस और बिल्कुल भी ध्यान नही है । वही पीरजाद पुर में लाइन के पास से दिन भर तेज रफ्तार से पानी निकल रहा है उसको भी ठीक नही कराया जा रहा है जिससे हजारों लीटर पानी की बर्बादी हो रही है । सरकारी नलों में

जाता है लेकिन नगर पालिका द्वारा इस और बिल्कुल भी ध्यान नही दे रही है जिससे गर्मी के दिनों मे पानी की परेशानी देखने को मिल सकती है ।

काले हीरे की धरती ने उगला सोना, नीलामी की प्रक्रिया हुई शुरू

सिंगरौली जिले में गुरहर पहाड़ी पर सोने की खदान मिली

भोपाल। मध्यप्रदेश में खनिजों के भंडार हैं। पूरे देश में हीरा भी इसी राज्य में मिलता है। अब मध्यप्रदेश के सिंगरौली में खनिज विभाग के विशेषज्ञों ने गुरहर पहाड़ी पर सोने की खदान खोजी है। विशेषज्ञों का दावा है कि जल्द ही मध्यप्रदेश पन्ना के हीरे ही नहीं बल्कि सिंगरौली के सोने की वजह से भी पहचाना जाएगा। जस्बू की रिपोर्ट ने सिंगरौली में सोने की खदानों की पुष्टि की है। सामान्य तौर इस पथरीले इलाके में बीते दो वर्षों से सोना खोजा जा रहा है। इसमें भारत सरकार के भू-विज्ञानियों की मदद भी ली गई।

सिंगरौली जिले में जमीन के अंदर 7.29 मिलियन टन सोने के अयस्क मौजूद है। विशेषज्ञों के मुताबिक सिंगरौली की गुरहर पहाड़ी पर मिली सोने की खदान से एक टन पत्थर निकालने पर उसमें 1.03 ग्राम सोना मिलेगा। यह खदान कुल 149.30 हैक्टेयर में फैली है। भू विशेषज्ञों से मिली हरी झंडी के बाद अब प्रदेश सरकार इसकी नीलामी के कार्य में जुट गई है। खनिज विभाग के अफसर इसकी तैयारी कर रहे हैं।

20 साल से चल रही है सोने की खोज

मध्यप्रदेश में सोने की खोज 20 साल से यानी 2002 से चल रही है। जीएसआई ने सोने की संभावनाओं का सर्वे करते हुए सिंगरौली में सोने की खदानों की पुष्टि की है। सिंगरौली के अलावा मध्यप्रदेश के कटनी, बालाघाट, सिवनी, बैतूल, जबलपुर, शहडोल, छिंदवाड़ा और उमरिया में भी सोने की खोज की जा रही है।

झांसी स्टेशन के पास हुआ डिरेलमेंट

मालगाड़ी की पांच बोगी हुई बेपटरी, रेल ट्रैक बाधित, आधा दर्जन ट्रेनों का बदला रूट

भोपाल। ग्वालियर में मंगलवार को झांसी-ग्वालियर के बीच रेत यातायात प्रभावित हुआ है। कारण झांसी के पास डिरेलमेंट है। भोपाल से कानपुर जा रही मालगाड़ी (स्पेशल ट्रेन) की पेट्रोल से भरी पांच टैंकर बोगी वीरांगना लक्ष्मीबाई जंक्शन (झांसी) के डाउन रेल यार्ड के पास बेपटरी हो गई। मालगाड़ी के बेपटरी होने के कारण कानपुर-माणिकपुर के साथ ही भोपाल व ग्वालियर से झांसी वाला अप व डाउन रेल ट्रैक बाधित होने से इस रूट पर ट्रेनों का परिचालन घंटों बाधित रहा।डिरेलमेंट के कारण आधा दर्जन ट्रेनों को डायवर्ट कर उनके गंतव्य स्थलों के लिए रवाना किया गया।

झांसी में सुबह के समय यह हादसा हुआ था। जिसका असर शाम तक ट्रेनों के परिचालन पर नजर आया है। हालांकि की हादसे की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे रेलवे के बचाव दल ने तीन घंटे दी मशक्कत के बाद झांसी-ग्वालियर अप ट्रैक पर ट्रेनों की आवाजाही शुरु की गई थी, जिससे ग्वालियर

से पौने दो घंटे की देरी से पहली ट्रेन चंबल एक्सप्रेस को झांसी के लिए रवाना किया गया।

रेलवे से मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार सुबह झांसी पहुंची मालगाड़ी स्पेशल ट्रेन जैसे ही झांसी एस केबिन के पास पहुंची वैसे ही उसकी पांच पेट्रोल से भरी टैंकर बोगी पटरी से उतर गए। बोगियों के पहिए जमीन पर धसते ही 65 डिब्बो वाली इस स्पेशल ट्रेन से झांसी-कानपुर-ग्वालियर रेल रूट पर ट्रेनों की आवाजाही पुरी तरह से बंद हो गई। हादसे के कारण भोपाल से झांसी आ रही आधा दर्जन ट्रेनों को बीना से वाया गुना-कोटा के रास्ते मथुरा जंक्शन वाले रेल रूट से डिवर्ट व पंजाब की ओर डायवर्ट कर दिया गया।

इन ट्रेनों को किया डायवर्ट

डिरेलमेंट के चलते भोपाल से दिल्ली की ओर जाने वाली कश्मरा एक्सप्रेस को बीना-गुना वाया ग्वालियर, विशाखापट्नम-हजरत निजामुद्दीन सुपरफास्ट एक्सप्रेस को गुना-कोटा के रास्ते वाया मथुरा होते हुए दिल्ली, वहीं छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस को गुना-कोटा वाया मथुरा के रास्ते दिल्ली, एपी संपर्क क्रांति एक्सप्रेस को गुना-कोटा मार्ग से वाया मथुरा से दिल्ली व जगन्नाथपुरी से चलकर योग नगरी ऋषिकेश जाने वाली उत्कल एक्सप्रेस डायवर्ट रूट से चलकर गुना-कोटा होते हुए मथुरा के रास्ते अपने गंतव्य स्टेशन के लिए रवाना की गई है।

पहली ट्रेन चंबल हुई रवाना

घटना के बाद अप व डाउन रेल ट्रैक पर रेल यातायात बाधित होने के तीन घंटे बाद ग्वालियर से पहली ट्रेन चंबल एक्सप्रेस को ग्वालियर से झांसी के लिए रवाना किया गया। वहीं हादसे के चलते झांसी-आगरा पैसेंजर कैंसल की गई है।

संक्षिप्त समाचार

शिकार के मांस के साथ युवक गिरफ्तार, शिकारी फरार

भोपाल। राजधानी की कोहेफिजा पुलिस ने शिकार के मांस सहित एक युवक को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी युवक को यह मांस दो अन्य युवको ने दिया था, जो अभी फरार है। मामला दर्ज कर पुलिस पूरे मामले में आगे की छानबीन कर रही है। अधिकारियों से मिली जानकारी के मुताबिक कोहेफिजा पुलिस ने मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर सईद नगर में रहने वाले 26 वर्षीय आरिफ खान को गिरफ्तार किया है। उसके पास से पुलिस ने 50 किलो से अधिक मांस सहित चाकू जप्त किया है। जब मांस नीलगाय का बताया जा रहा है। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपी ने शुरुआती पूछताछ में बताया है, कि यह मांस उसे अरबाज और मुईन नामक युवको ने दिया था, जो सागर रोड से नीलगाय का शिकार कर उसका मांस भोपाल लेकर आए थे। पुलिस का कहना है, कि वारदात में फरार आरोपी मुईन की स्विफ्ट कार का प्रयोग भी किया गया है। अफसरों ने आगे बताया की दोनों फरार आरोपियों की तलाश जारी है, ओर उनकी गिरफ्तारी के बाद ही सारी जानकारी मिल सकेगी। इसके बाद पुलिस घटनास्थल पर जाकर तस्दीक भी करेगी। वही और मामले मे कितने अन्य आरोपी और शामिल है, उनका खुलासा भी आरोपियो की गिरफ्तारी के बाद ही हो सकेगा। पुलिस इस बात की जानकारी जुटा रही है, पकड़ा गया आरोपी आरिफ इस मास को कहां खपाने की तैयारी में था।

बीमारी से डिप्रैशन मे आकर वृद्धा ने फांसी लगाई

भोपाल। नये शहर के शाहपुरा इलाके में वृद्धा द्वारा फांसी लगाकर लगाकर खुदकुशी किये जाने का मामला सामने आया है। बताया गया है की मृतका अपनी बीमारी को लेकर तनाव मे रहती थी। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार दाना पानी रोड शाहपुरा पर रहने वाली 62 वर्षीय पदमा सिंह बघेल पत्नी धर्मेंद्र सिंह बघेल बीते काफी समय से कई गंभीर बीमारियों से पीड़ीत थी। उनका इलाज जारी था, लेकिन वो बीमारियो को लेकर मानसिक तनाव मे रहती थी। सुबह करीब आठ बजे उन्होने घर में फांसी लगा ली। हादसे की जानकारी लगते ही परिवार वाले उन्हे फंदे से उतारकर अस्पताल लेकर पहुंचें, लेकिन डाक्टरों ने शुरुआती चेकअप के बाद ही उन्हे मृत घोषित कर दिया। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर आगे की कार्यवाही शुरु कर दी है।

अटल पथ की सुंदरता बिगाड़ने वालो पर नाराज हुए निगम अध्यक्ष

पुलिस करेगी एफआईआर दर्ज

भोपाल। शहर के सुदर मार्ग अटल पथ की सुदंरता बिगाड़ते हुए अज्ञात असामाजिक तत्वों ने यहाँ कचरे के लिये लगाये दो दर्जन से अधिक डस्टबिन में पटाखे रखकर फोडते हुए उन्हे क्षतिग्रस्त कर दिया, इतना ही नहीं यहाँ लगी तीन बैंचो मे तोड़फोड़ करने के साथ ही एक साइन बोर्ड भी जला दिया। मंगलवार को निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने अटल पथ का निरिक्षण किया ओर इस बात पर नाराजगी जताते हुए कहा की ऐसे लोगो के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जायेगी। निगम ने कार्यवाही किये जाने को लेकर टीटी नगर थाने में आवेदन दिया है। जानकारी के अनुसार निगम अध्यक्ष सूर्यवंशी एमआईसी मेंबर जगदीश यादव, राजू ओहेना के साथ अटल पथ पर पहुंचे और वहाँ की हालत देख टीटी नगर थाना प्रभारी से फोन पर बात कर तोड़फोड़ करेन वाले आसामाजिक तत्वों के खिलाफ मामला दर्ज करने की बात कही। निगम अध्यक्ष सूर्यवंशी ने मीडीया से बात करते हुए कहा की रात में आसामाजिक तत्वों ने अटल पथ के दोनों ओर सड़क किनारे 28 डस्टबिन में पटाखे फोड़कर उन्हें क्षतिग्रस्त करने के साथ ही बैंच में तोड़फोड़ की, एक साइन बोर्ड में भी आग लगाई गई। उन्होने बताया की अपर आयुक्त एमपी सिंह के द्वारा ऐसे लोगो के खिलाफ कार्यवाही करने को लेकर थाने मे आवेदन दिया गया है।

प्रदेश में पहली बार जोड़े जाएंगे चार बांध

32 करोड़ में ग्वालियर के चार महत्वपूर्ण बांधों को किया जाएगा लिंक

भोपाल। मध्यप्रदेश के चार बड़े बांधों को जोड़ने की योजना है। ग्वालियर के चार महत्वपूर्ण बांधों को लिंक करने की यह योजना करीब 32 करोड़ की है। इसके अंतर्गत चारों बांधों को लिंक करने के लिए नहर निर्माण के साथ ही सौंदर्यीकरण भी किया जाना है। हालांकि मंजूरी मिल जाने के बाद भी काम शुरू नहीं हुआ है जिससे लोग बेचैन हो रहे हैं।

ग्वालियर के चार महत्वपूर्ण बांधों को लिंक करने की योजना की घोषणा जुलाई में हुई थी। इसके लिए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने 31 करोड़ 63 लाख रुपए की स्वीकृति भी दी थी। इस राशि से कैनाल रिंग बनाकर बारिश के व्यर्थ बह जाने वाले पानी को बांधों में सहेजने का काम होना था। राशि स्वीकृत होने के बाद तीन महीने का समय निकल चुका है लेकिन काम अभी तक शुरू नहीं हुआ है।

यह लेगा काम

बांधों को जोड़ने के लिए कैनाल की एक रिंग बनाई जानी है। कैनाल के माध्यम से बारिश के पानी को चारों बांधों में बराबर रखा जाएगा। कैनाल रिंग के साथ सड़क बनाई जानी है और सौंदर्यीकरण होना है। योजना में लश्कर क्षेत्र के दक्षिणी छोर पर वीरपुर बांध, हनुमान बांध, रायपुर बांध और मामा का बांध शामिल हैं। शहर के भूजल स्तर को स्थिर रखने के लिए इन बांधों का निर्माण किया गया था। बांध भरे होने पर 60 से 70 बस्तियों की बोरिंग पानी से भरी रहतीं हैं। जबकि गर्मियों में पानी सूख जाने पर इन बस्तियों में टैंकरों से ही सप्लाई होती है। इस समस्या को दूर करने में सक्षम चारों बांधों को भरकर क्षेत्र की जल समस्या का निदान करने का प्लान बनाया गया था। साथ ही बांधों को पिकनिक स्पॉट के रूप में विकसित करने के लिए सौंदर्यीकरण कराने की भी योजना थी ताकि लोगों को घूमने के लिए बेहतर स्थान मिल सके। इस प्रोजेक्ट के लिए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बगैर देर किए राशि स्वीकृत कर दी थी लेकिन अधिकारियों की लेटलतीफी की वजह से यह महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट अभी शुरू नहीं हो सका है। मुख्य सचिव की अध्यक्षता में गठित राज्य कार्यपालिक समिति ने 30 जुलाई को मिटिंगेशन फंडके अंतर्गत राशि स्वीकृत की थी।

जल स्तर बढ़ने के साथ मिलेगा पर्यटन स्थल

वीरपुर, हनुमान, रायपुर और मामा का बांध कैनाल से जोड़ने के साथ सौंदर्यीकरण भी कराया जाना है। कैनाल रिंग पर सड़क को लाइटिंग और हरियाली से सुंदर बनाकर दर्शनीय बनाया जाना है। इससे भूजल स्तर बेहतर रहेगा वहीं शहर के लोगों को पाथ वे और शाम को जगमगाती नहर के आसपास घूमने का मौका भी मिलेगा।

भारत जोड़ो यात्रा में मध्यप्रदेश में नियमित रूप से 1 लाख यात्री साथ चलेंगे

भोपाल। भारत जोड़ो यात्रा 20 नवंबर को मध्यप्रदेश में प्रवेश करेगी। इसको लेकर कांग्रेस ने बड़े पैमाने पर तैयारियां शुरू कर दी है। 20 नवंबर को मध्यप्रदेश के बुरहानपुर से भारत जोड़ो यात्रा प्रवेश करेगी। 21 नवंबर को रविवार होने के कारण बुरहानपुर में यात्रा का विश्राम होगा। 22 नवंबर से शुरू होने वाली यात्रा में एक लाख यात्री मध्यप्रदेश में लगातार 13 दिन तक साथ में रहेंगे। इसके लिए कांग्रेस ने विभिन्न क्षेत्रों से जो यात्राएं निकाली जा रही हैं। वह समय-समय पर भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होंगे। भारत जोड़ो यात्रा की तैयारी में प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ ने सभी प्रभारियों को पूरी तैयारी के साथ जुड़ जाने के निर्देश दिए है। प्रभारी डॉ गोविंद सिंह, सज्जन सिंह वर्मा, रवि जोशी, संजय यादव, अरविंद सिंह और विशाल पटेल से भी कमलनाथ ने अलग-अलग चर्चाएं की।

मध्यप्रदेश के सभी जिलो में स्थापित होंगे मूल्य नियंत्रण केंद्र

भोपाल। भारत सरकार मूल्य नियंत्रण केन्द्रों के माध्यम से 22 आवश्यक वस्तुओं के दैनिक बाजार भाव की मॉनीटरिंग करती है। यह काम उपभोक्ता मामला विभाग करता है। अभी तक प्रदेशों में चिन्हित जिलों में ही मूल्य नियंत्रण केन्द्र स्थापित हैं। लेकिन भारत सरकार ने बाजार के मूल्यों की सटीक जानकारी के लिये देश के प्रत्येक जिले में मूल्य नियंत्रण केन्द्र खोलने का निर्णय लिया है। मध्यप्रदेश में अभी 11 जिलो में ये केन्द्र स्थापित है। लिहाजा शेष 41 जिलों में केन्द्र खोलने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। इस संबंध में संचालक खाद्य ने सभी संबंधित जिलों के कलेक्टरों को पत्र लिख कर आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए हैं। मूल्य नियंत्रण केन्द्रों द्वारा 22 आवश्यक वस्तुओं के दैनिक बाजार भाव (थोक और खुदरा) उच्च आय वर्ग, मध्यम आय वर्ग और निम्न आय वर्ग के हिसाब से इकठा किए जाते हैं। इन्हें प्रतिदिन भारत सरकार को भेजा जाता है। इसके आधार पर सरकार यह निगरानी रखती है कि किसी वस्तु की कीमत अनापेक्षित तरीके से तो नहीं बढ़ रही है या फिर इन वस्तुओं का महंगाई में कितना योगदान है। इसके अलावा कल्याणकारी और आर्थिक नीतिगत निर्णयों में इन आंकड़ों का इस्तेमाल होता है। भारत सरकार एक मजबूत मूल्य रिपोर्टिंग प्रणाली विकसित करने जा रही है। लिहाजा अब सभी जिलों में मूल्य नियंत्रण केन्द्र स्थापित करने का निर्णय लिया गया है। इसको लेकर मुख्य सचिव मध्यप्रदेश को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए गए हैं।

अभी तक सिर्फ 11 जिलों में स्थापित है केन्द्र, भारत सरकार इनके जरिये रखेगी बाजार पर नजर

इन जिलों में स्थापित होंगे केन्द्र

भारत सरकार से मिले निर्देशों को बाद राज्य शासन ने सतना, सीधी, सिंगरौली, पन्ना, रायसेन, भिण्ड, शिवपुरी, गुना, अशोक नगर, दतिया, देवास, सतना, शाजापुर, मंदसौर, नीमच, अमरपाटन, धार, अलीराजपुर, झाबुवा, बड़वानी, खंडवा, बुरहानपुर, राजगढ़, सीहोर, रायसेन, विदिशा, हरदा, बैतूल, टमोह, छतरपुर, टीकमगढ़, निवाड़ी, कटनी, नरसिंहपुर, मंडला, छिंदवाड़ा, सिवनी, बालाघाट, डिंडोरी, उमरिया, अनूपपुर में मूल्य नियंत्रण केन्द्र स्थापित करने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है।

रोजगार के लिए दो योजनाएं प्रारंभ करेगी मप्र सरकार

भोपाल। प्रदेश में रोजगार के लिए रिक्त पदों पर भर्ती, विभिन्न योजनाओं के माध्यम से स्वरोजगार उपलब्ध कराने के बाद अब शिवराज सरकार दो नई योजनाएं और प्रारंभ करने जा रही है। इसमें ग्रामीण क्षेत्र के स्थानीय युवाओं को मौका दिया जाएगा। खाद्य प्रसंस्करण से युवाओं को जोड़कर न सिर्फ स्वरोजगार दिलाया जाएगा बल्कि किसानों की आय में वृद्धि का मार्ग भी प्रशस्त होगा। इसके लिए प्राथमिक प्रसंस्करण केंद्र की स्थापना की जाएगी। इसमें 10 लाख रुपये तक अनुदान दिया जाएगा।

वहीं, उचित मूल्य की राशन दुकानों तक खाद्यान्न पहुंचाने का काम अब परिवहनकर्ताओं से लेकर युवाओं को दिया जाएगा। इसके लिए मुख्यमंत्री युवा अवद्यूत योजना लागू की जा रही है। इसमें चिह्नित युवाओं को बैंकों से ऋण स्वीकृत कराकर वाहन उपलब्ध कराए जाएंगे। सरकार अपनी ओर से एक लाख 25 हजार रुपये का अनुदान और तीन प्रतिशत की दर से ब्याज अनुदान देगी। दोनों योजनाओं पर अंतिम निर्णय बुधवार को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में होने वाली कैबिनेट में होगा।

प्रदेश में सिंचित क्षेत्र बढ़ने और बिजली की पर्याप्त उपलब्धता के कारण कृषि उत्पादन में वृद्धि हुई है पर इसका अपेक्षित लाभ किसानों को नहीं मिल पा रहा है। किसान फसल आने के बाद उपज व्यापारियों को बेच देते हैं। वे प्राथमिक प्रसंस्करण करके उपज बेचते हैं और लाभ अर्जित करते हैं। यही काम यदि ग्रामीण स्तर पर होने लगे तो किसानों को न सिर्फ उपज का उचित मूल्य मिलेगा बल्कि युवाओं को रोजगार भी मिलेगा।

प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित होंगे प्राथमिक प्रसंस्करण केंद्र
युवाओं को 10 लाख रुपए तक दिया जाएगा अनुदान

इसके लिए सरकार ने प्राथमिक प्रसंस्करण केंद्र की स्थापना करवाने का निर्णय लिया है। इसमें 18 से 40 वर्ष तक के स्थानीय युवाओं को सेंटर की स्थापना के लिए बैंक से ऋण दिलाया जाएगा। सरकार अपनी ओर से 40 प्रतिशत तक अनुदान, जो दस लाख रुपये से अधिक नहीं होगा, दिया जाएगा। पात्र हितग्राहियों को दाल मिल, राइस मिल, अनाज की सफाई, श्रेणीकरण सहित कृषि उत्पाद से जुड़ी अन्य मशीनों के संचालन एवं रखरखाव के संबंध में प्रशिक्षण भी दिलाया जाएगा। तीन साल में 590 केंद्रों की स्थापना का लक्ष्य रखा गया है।

वहीं, एक करोड़ 11 लाख से अधिक परिवारों को प्रतिमाह सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत वितरित होने वाले खाद्यान्न को उचित मूल्य की राशन दुकान तक पहुंचाने का काम भी युवाओं को दिया जाएगा। अभी प्रदेश में 120 परिवहनकर्ता पूरे प्रदेश में 26 हजार दुकानों तक 223 प्रदाय केंद्रों से गेहूं, चावल औ नमक पहुंचाने का काम करते हैं। सरकार ने आदिवासी क्षेत्र में दुकान से गांव तक खाद्यान्न पहुंचाने के लिए मुख्यमंत्री आपका राशन आपके द्वार योजना लागू की थी। अब इसका विस्तार मुख्यमंत्री अवद्यूत योजना के माध्यम से किया जा रहा है।

इसमें 888 वाहन 18 से 45 वर्ष के ग्रामीणों को बैंकों से ऋण दिलाकर खरीदवाए जाएंगे। एक लाख 25 हजार रुपये की मार्जिन मनी राज्य सरकार देगी और इतनी ही हितग्राही को मिलानी होगी। तीन प्रतिशत की दर से ब्याज अनुदान और ऋण की गारंटी भी सरकार देगी। 65 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से परिवहन शुल्क और साढ़े 12 रुपये प्रति क्विंटल चढ़ाने-उतारने के लिए दिए जाएंगे। इस प्रकार प्रतिमाह एक लाख 95 हजार रुपये मिलेंगे। सभी खर्च निकालकर लाभ 16 हजार प्रतिमाह होगा। सप्ताह में दो दिन वाहन का उपयोग अन्य कार्यों में भी किया जा सकता है। इससे अतिरिक्त आय होगी।

ऑनलाईन जॉब देने के नाम पर 5लाख ठगी करने वाला दिल्ली से गिरफ्तार

भोपाल। राजधानी की सायबर क्राईम ब्रांच ने फ्रीलांसर डॉट कॉम पर जॉब देने के नाम पर ठगी करने वाले जालसाज को दिल्ली से गिरफ्तार किया है। पकड़ मे आया शातिर आरोपी फ्रीलांसर साईड पर फर्जी आईडी बनाकर नौकरी देने के नाम पर लोगो को अपने जाल मे फसांता ओर उन्हे फ्रीलांसर डॉट कॉम साईड पर फर्जी जॉब ऑफर करते हुए उनसे सम्पर्क करता था। इसके बाद ठग जाल मे फसें लोगो को फ्रीलांसर में टाईपिंग की नौकरी बताकर उनके मोबाइल लेकर व्हॉटसएप पर बातचीत करता ओर फिर क्यू.आर कोड भेज कर रजिस्ट्रेशन फीस, माईलस्टोन चार्ज, मीडिएटर कमीशन चार्ज, एकाउंट वेरीफिकेशन सहित अन्य चार्जेस के नाम पर रकम ऐंठ लेता था।

इतना ही नही शातिर जालसाज पर यदि किसी को शक हो जाये ओर वो अपनी रकम वापस लौटाने को कहते आरोपी प्रोजेक्ट कैंसिल करने के एक बार फिर प्रोसेसिंग फीस, जीएसटी फीस के नाम पर रकम ले लेता ओर इसके बाद व्हॉटसएप नंबर ओर फ्रीलांसर की आईडी बंद कर देता था। पुलिस की पकड़ से

बचने के लिये जालसाज ट्रांजेक्शन की चेन तोडने के लिये दो-तीन अलग-अलग एकाउंट मे रकम ट्रांसफर करता ओर फिर ठगी की रकम को एटीएम के जरिये निकाल लेता था।

अधिकारियो ने बताया की राजधानी निवासी अनुज पटेल ने लिखित शिकायत करते हुए बताया की उसने फ्रीलांसर डॉट कॉम पर जॉब के लिये लॉगिन किया था। तुरंग ही उसके पास नौकरी करने का जवाब आया, जिसमे टाईपिंग जॉब बताई गई थी। रिन्याई आने पर फरियादी इस नौकरी के लिये तैयार हो गया।

शहर अंधेरे में डूबा अब साफ सफाई के भी बांदे

नगर निगम भोपाल का हाल बेहाल

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल,नगर निगम की आर्थिक हालत इन दिनों बड़ी खस्ता है। मध्य प्रदेश के सभी नगरीय निकायों की लगभग लगभग ऐसी ही हालत है. पिछले 10 दिनों से भोपाल नगर निगम क्षेत्र की स्ट्रीट लाइटें बंद हैं। बिजली कंपनी अपने बकाया राशि को वसूल करने के लिए लगातार प्रयास कर रही है. लेकिन नगर निगम भोपाल, बिजली बिल अदा नहीं कर पा रही है. जिसके कारण भोपाल नगर की स्ट्रीट लाइट बंद है।

अब नगर निगम भोपाल में पेट्रोल और डीजल की किल्लत भी शुरू हो गई है. नगर निगम भोपाल का एक करोड़ रुपए से अधिक का भुगतान बाकी होने से पेट्रोल डीजल की सप्लाई भी बाधित हो गई है. जिसके कारण भोपाल नगर की सफाई व्यवस्था पर भी इसका

असर साफ-साफ दिखने लगा है। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार भोपाल फ्यूल स्टेशन रॉयल मार्केट से लिए गए पेट्रोल-डीजल का भुगतान 4 महीने से बकाया है. जिसके कारण पेट्रोल पंप ने सप्लाई रोक दी.नगर निगम के अधिकारियों ने किसी तरह से 5 लाख का चेक देकर सप्लाई शुरू कराई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार भोपाल नगर निगम दो पेट्रोल पंपों से रोजाना 1 लाख रूपये का पेट्रोल लेता है. इसके अलावा डीजल के रूप में भी कंपनियों का 1 करोड़ करीब बकाया है.नगर निगम भोपाल की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने से इसका असर अब आम आदमी पर पड़ने लगा है. भोपाल के सारे रास्ते अंधेरे में हैं. अब सफाई व्यवस्था पर भी ग्रहण लगने की स्थिति देखने लगी है।

संपादकीय

बड़ा फैसला

अब शिक्षा और नौकरी में गरीब सवर्णों को भी आरक्षण का लाभ मिल सकेगा। सोमवार को पांच सदस्यों वाले संविधान पीठ ने तीन-दो के बहुमत से एक सौ तीन वें संविधान संशोधन की वैधता को बरकरार रखते हुए यह फैसला दिया। प्रधान न्यायाधीश यू. यू. ललित और न्यायमूर्ति एस रवींद्र भट्ट ने इस संविधान संशोधन को वैध नहीं माना, जबकि तीन न्यायाधीशों न्यायमूर्ति दिनेश माहेश्वरी, न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला ने इसके पक्ष में फैसला दिया।

सर्वोच्च अदालत का यह फैसला स्वागतयोग्य माना जाना चाहिए, क्योंकि संविधान पीठ ने इस मुद्दे की मूल भावना को केंद्र में रखते हुए उसे तरर्जाह दी और सामान्य वर्ग में आर्थिक रूप से कमजोर तबके को ऊपर लाने और इस दिशा में सरकार के प्रयासों को पर अपनी सहमति दी। हालांकि आरक्षण हमेशा से एक संवेदनशील मुद्दा रहा है और इससे जुड़े मुद्दों को लेकर विवाद उठते रहे हैं। ऐसे में इस पर सहमति-असहमति बनना भी स्वाभाविक है। गौरतलब है कि केंद्र सरकार ने वर्ष 2019 में एक सौ तीन वां संविधान संशोधन लागू कर आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए आरक्षण लागू किया था। लेकिन इस संविधान संशोधन को संविधान के बुनियादी ढांचे का उल्लंघन बताते हुए इसकी वैधता को चुनौती दी गई थी।

आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को आरक्षण सुनिश्चित करने वाले एक सौ तीन वें संविधान संशोधन के विरोध के पीछे बड़ा कारण यह बताया गया कि इससे संविधान के बुनियादी ढांचे का उल्लंघन होता है। प्रधान न्यायाधीश ने भी अपने फैसले में इस को रेखांकित किया है। प्रधान न्यायाधीश ने अपने फैसले में कहा कि संविधान सामाजिक न्याय के साथ छेड़छाड़ की इजाजत नहीं देता है। ऐसे में आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को आरक्षण देना संविधान के बुनियादी ढांचे के खिलाफ है।

लेकिन संविधान पीठ के जिन जजों ने इसके पक्ष में फैसला सुनाया, वे सभी इस बात पर सहमत थे कि आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को दस फीसद का आरक्षण संविधान के बुनियादी ढांचे का कहीं से उल्लंघन नहीं करता। लेकिन इसमें सबसे महत्त्वपूर्ण बात यह है कि न्यायमूर्ति पारदीवाला ने साफ कहा कि आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को आरक्षण अनिश्चितकाल के लिए नहीं बढ़ाना चाहिए। संविधान पीठ के बहुमत वाले सदस्यों ने फैसले में इस बात पर जोर दिया कि आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को आरक्षण इसलिए भी जरूरी है ताकि समतावादी समाज के लक्ष्य की ओर एक सर्व समावेशी तरीके से आगे बढ़ना सुनिश्चित किया जा सके।

सर्वोच्च अदालत के इस फैसले के बाद सरकार के लिए अब बड़ी चुनौती अब इस फैसले पर अमल की है। देखना होगा कि सरकार कैसे ईमानदारी के साथ इसे लागू करवाती है। आरक्षण को लेकर एक बड़ा सवाल अब तक यही उठता रहा है कि सामाजिक रूप से जिन पिछड़े और दबे-कुचले वर्गों को आरक्षण का लाभ देकर उन्हें ऊपर लाना चाहिए था, उसमें सरकारें सफल नहीं हो पाईं। आरक्षण का लाभ लेकर हर तरह से संपन्न बने लोग भी इसका लाभ उठा रहे हैं। इसलिए आरक्षण को लेकर एक ताकिक नीति बनाने की मांग भी लंबे समय से उठती रही है। आर्थिक रूप से पिछड़े लोगों को आरक्षण देने के पीछे भी मूल भावना यही है कि सिर्फ आर्थिक अभाव की वजह से कोई अवसरों में न पिछड़े। अगर सरकार और राजनीतिक दल वाकई देश के कमजोर तबकों को ऊपर उठाना चाहते हैं तो इसे सिर्फ चुनावी फायदे के रूप में देखने की प्रवृत्ति से मुक्ति पानी होगी और राजनीति से ऊपर उठ कर पहल करनी होगी। तभी सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों का भला हो पाएगा।

पराली पर प्रपंच और आपियों का महारत

लेखक-अनिल बिहारी श्रीवास्तव

किसी ने सघाट अंदाज में कल- 'केजरीवाल प्रदूषण पर ज्ञान नहीं दें, समाधान कीजिए।' बहुत से लोगों का कहना है कि हर साल पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के कुछ भागों में किसानों द्वारा पराली जलाये जाने से दिल्ली में बढने वाले वायुप्रदूषण पर केजरीवाल अब तक नाकामी का ठीकरा दूसरों के सिर पर फोड़ते रहे हैं। इस बार वह पलटी मार गए। केजरीवाल ने कहा है कि 'वायु प्रदूषण बढ़ने के लिए केवल (पंजाब में) आम आदमी पार्टी की सरकार जिम्मेदार नहीं है। यह समय एक-दूसरे को गाली देने और राजनीति करने का नहीं है। दिल्ली की हवा बहुत खराब हो गई है। सभी प्रभावित राज्यों और केंद्र सरकार को तत्काल बात करनी चाहिए।

'उधर, मान दो कदम आगे निकले। दिल्ली के उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना द्वारा उन्हें पत्र लिखे जाने से बौखलाये मान ने आरोप लगाया कि एक गंभीर समस्या पर राजनीति की जा रही है। पंजाब के किसानों की प्रतिष्ठा को खराब करने की कोशिश हो रही है। ताजा जानकारी यह है कि देवउठनी ग्यारस के बाद दिल्ली, एनसीआर और नोयडा में वायु प्रदूषण बहुत खराब स्तर पर पहुंच चुका है जो लोगों को घर के बाहर ही नहीं, भीतर भी बीमार बना रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि इनबोर प्रदूषण सांस के जरिए शरीर में जाता रहता है और यह टीबी, कैंसर, अस्थमा सहित समय-पूर्व मौतों का कारक बन रहा है। अधिकांश देशों में इसकी गाइडलाइंस बन चुकी है लेकिन भारत में कुछ नहीं है।

भारत में पराली जलाये जाने की समस्या नई नहीं है। वर्षों से यह काम किया जा रहा है लेकिन हाल के वर्षों में यह बात नोटिस की गई की पराली जलाये जाने से हर साल इन्हीं दिनों उत्तर भारत के एक बड़े हिस्से खासकर दिल्ली में वायुप्रदूषण की गंभीर स्थिति निर्मित हो जाती है। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने पराली जलाये जाने पर पाबंदी लगा रखी है। राजनीतिक कारणों से सरकारें पराली जला कर अगली फसल के लिए खेतों को तैयार करने वाले किसानों पर सख्ती से बचतीं हैं। एक बात और देखी गई कि पराली जलाने से दिल्ली और उसके आसपास प्रदूषण बढ़ने पर हर साल चिंता व्यक्त करने की औपचारिकता मात्र पूरी की जाती है। फसल अवशेष प्रबंधन के वैज्ञानिक उपायों को अपनाने और उन्हें किसानों के बीच लोकप्रिय बनाने के लिए किसी प्रकार के गंभीर प्रयास अब तक किए ही नहीं गए। नतीजा सामने है। पंजाब में इस बार पराली जलाये जाने के मामलों में काफी वृद्धि हुई है।

आंकड़ों के अनुसार इस वर्ष 24 अक्टूबर से दो नवम्बर के बीच दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान में पराली जलाने के 3825 मामले प्रकाश में आये हैं। इनमें से अकेले 3634 मामले पंजाब के बताए जा रहे हैं। इस समय में सीधे 33.5 प्रतिशत की वृद्धि बताई जा रही है। पराली जलाये जाने की समस्या हरियाणा में भी है किंतु वहां पंजाब की तुलना में वृद्धि दर आधे से भी कम बताई गई है। पराली दीपावली के आसपास ही जलाई जाती है। धान जैसी फसल की कटाई में उसे जड़ से नहीं काटा जाता। ऊपर का कुछ हंच हिस्सा छोड़ दिया जाता है। इसे हटाना आसान नहीं होता। इन्हीं दिनों में गेहूं की बुआई करनी होती है। किसान गेहूं की तुरंत बुआई के लिए धान की फसल कटने के बाद खेत में मौजूद अवशेष अर्थात् पराली को जला देते हैं। पंजाब के अलावा हरियाणा और उत्तर प्रदेश तथा राजस्थान में कुछ भागों में लगभग एक ही समय पराली जलाये जाने से वायुप्रदूषण बढ़ जाता है। देश के शेष भागों में पराली जलाये जाने के मामले पहले कभी-कभार सामने आते थे। पिछले कुछ वर्षों से देखा जा रहा है कि मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश सहित कुछ अन्य राज्यों में पराली रूपी फसल अवशेष के प्रबंधन के लिए इस शार्ट कट को अपनाने लगे हैं।

निस्संदेह पराली जलाने से वायु प्रदूषण बढ़ने की समस्या विकराल रूप लेती जा रही है। सबसे यह है कि केंद्र और राज्य सरकार इसे नियंत्रित करने के लिए कर क्या रही हैं? इसे एक मौसमी या अस्थाई समस्या क्यों माना जाता है। हाल ही में संयुक्त राष्ट्र संघ की एक रिपोर्ट में कहा गया था कि 2030 तक वैश्विक ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन में 2010 की तुलना में 10.6 प्रतिशत की वृद्धि होगी। सन 2100 तक धरती के तापमान में 2.5 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हो जाएगी।

भारत में भी खराब हवा और बढ़ती गर्मी मौतों का कारण बनने लगी है। क्या पराली बर्निंग भी इसमें योगदान नहीं दे रही होगी? पराली जलाये जाने से बड़ी मात्रा में कार्बन डाई-आक्साइड और कार्बन मोनो-आक्साइड निकलती हैं। अनुमान लगाया जा सकता है कि भारत में जलवायु के साथ किस तरह का खिलवाड़ किया जा रहा है। लोगों के स्वास्थ्य के मामले में लापरवाही या अनदेखी के ऐसे उदाहरण दुनिया में कम ही मिलेंगे। पंजाब में पराली जलाये जाने के 71 प्रतिशत मामले उन्हीं सात जिलों-अमृतसर, संगरूर, फिरोजपुर, मुदासपुर, कपूरथला, पटियाला और तरनतारन से सामने आये हैं जहां पिछले साल गंभीर स्थिति बताई गई थी। बताया जा रहा है कि पंजाब में पराली से निबटने के लिए एक लाख बीस हजार फसल अवशेष मशीनें उपलब्ध हैं लेकिन इनका उपयोग संतोषजनक स्तर तक नहीं किया गया।

पराली जलाये जाने की घटनाओं को निगरानी के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा सेटेलाइट से नजर रखी जाती है। आंकड़ों के अनुसार पराली जलाने में पंजाब और हरियाणा सबसे आगे हैं। चौंकाने वाली बात यह है कि पंजाब में इसका बहुत कम असर देखा गया जबकि दिल्ली, एनसीआर और हरियाणा की सांस हर साल इन दिनों फूलने लगती है। पिछले साल पराली जलाने से पंजाब में 14.1 प्रतिशत, हरियाणा में 66.3 प्रतिशत और दिल्ली-एनसीआर में 55.6 प्रतिशत प्रदूषण हुआ था। यह सही है कि हरियाणा और दिल्ली-एनसीआर में औद्योगिक इकाइयों और वाहनों से निकलने वाले धुएं के कारण भी प्रदूषण होता है। ऐसी स्थिति में पराली से बढ़ा प्रदूषण स्थिति को गंभीर बना देता है।

पराली बर्निंग से होने वाला वायु प्रदूषण वाकई एक गंभीर समस्या है। इस पर नियंत्रण के लिए गंभीर प्रयासों की जरूरत है। समस्या हमारे यहां राजनीति में बड़ रहे प्रदूषण की भी है। छल-कपट, झूठ और विरोधियों पर दोषारोपण की प्रवृत्ति मुसीबत को बढ़ाने वाली और समस्या के सटीक समाधान में अवरोध पैदा करती है। अब केजरीवाल के बयानों का ही लें। ऐसे दर्जनों वीडियो सोशल मीडिया में उपलब्ध हैं जो नकरके दिल्ली की कथनी और करनी के अंतर को उजागर कर रहे हैं। 2018 में केजरीवाल ने दिल्ली में प्रदूषण बढ़ने के लिए पराली को जिम्मेदार बताया था। 2019 में कहा, पराली जलाये जाने से बड़े विस्तृत क्षेत्र से जांच की थी। ट्रायल केर्ट में भी लगभग 2 वर्षों तक मामला चलता रहा। सेशन कोर्ट ने सबूतों के आधार पर तीनों अभियुक्तों को मृत्युदंड की सजा सुनाई थी। दिल्ली हाई कोर्ट द्वारा उसकी सुनवाई के पश्चात मृत्युदंड की सजा की पुष्टि कर दी थी। सुप्रीम कोर्ट में यह मामला मृत्युदंड की सजा को चुनौती देने के लिए दायर किया गया था। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने मृत्युदंड के स्थान पर तीनों आरोपियों को बरी कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने यह फैसला लंबे समय तक सुनवाई के पश्चात फैसले के लिए लगभग 7 माह तक लंबित रखा गया।

(विचार मंथन)

रेप और हत्या के 3 आरोपियों को सुप्रीम कोर्ट से बरी होने की तीव्र प्रतिक्रिया

लेखक-सनत जैन

सुप्रीम कोर्ट की तीन सदस्यीय खंडपीठ, जिसमें मुख्य-न्यायमूर्ति यू.यू.ललित, न्यायमूर्ति एस रविंद्र भट्ट और न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी की बेंच ने मृत्युदंड प्राप्त रेप के आरोपियों को बरी कर दिया है। 19 वर्षीय युवती से रेप और हत्या के दोषियों को सबूतों के आधार पर सेशन कोर्ट ने मृत्युदंड की सजा 2012 में सुनाई थी। 26 अगस्त 2014 को दिल्ली हाईकोर्ट ने सुनवाई के पश्चात मृत्युदंड की सजा की पुष्टि की थी। इसके बाद सजायाफ्ता आरोपियों ने सुप्रीम कोर्ट में मृत्युदंड के खिलाफ याचिका दायर की थी। सुप्रीम कोर्ट ने मृत्युदंड की सजा पाए तीनों आरोपियों को बरी कर दिया। सुप्रीम कोर्ट के इस निर्णय के बाद देश में बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया हो रही है।

मुख्य न्यायमूर्ति यू.ललित फैसला देने के बाद सेवानिवृत्त हो गए हैं। इस मामले में 7 अप्रैल 2022 को सुप्रीम कोर्ट ने मामले की सुनवाई कर तीनों दोषियों की मौत का फैसला सुरक्षित रखा था। तीन जजों की खंडपीठ को यह तय करना था कि मौत की सजा को बरकरार रखा जाए या नहीं।

सुनवाई के लगभग 7 महीने बाद सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में आरोपियों को बरी कर दिया। दिल्ली पुलिस ने सुप्रीम कोर्ट में भी मृत्युदंड की सजा को बरकरार रखने की दलील दी थी। दिल्ली पुलिस ने इस मामले की बड़े विस्तृत ढंग से जांच की थी। ट्रायल कोर्ट में भी लगभग 2 वर्षों तक मामला चलता रहा। सेशन कोर्ट ने सबूतों के आधार पर तीनों अभियुक्तों को मृत्युदंड की सजा सुनाई थी। दिल्ली हाई कोर्ट द्वारा उसकी सुनवाई के पश्चात मृत्युदंड की सजा की पुष्टि कर दी थी। सुप्रीम कोर्ट में यह मामला मृत्युदंड की सजा को चुनौती देने के लिए दायर किया गया था।

सुप्रीम कोर्ट की तीन सदस्यीय खंडपीठ, जिसमें मुख्य-न्यायमूर्ति यू.यू.ललित, न्यायमूर्ति एस रविंद्र भट्ट और न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी की बेंच ने मृत्युदंड प्राप्त रेप के आरोपियों को बरी कर दिया है। 19 वर्षीय युवती से रेप और हत्या के दोषियों को सबूतों के आधार पर सेशन कोर्ट ने मृत्युदंड की सजा 2012 में सुनाई थी। 26 अगस्त 2014 को दिल्ली हाईकोर्ट ने सुनवाई के पश्चात मृत्युदंड की सजा की पुष्टि की थी। इसके बाद सजायाफ्ता आरोपियों ने सुप्रीम कोर्ट में मृत्युदंड के खिलाफ याचिका दायर की थी। सुप्रीम कोर्ट ने मृत्युदंड की सजा पाए तीनों आरोपियों को बरी कर दिया। सुप्रीम कोर्ट के इस निर्णय के बाद देश में बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया हो रही है।

मुख्य न्यायमूर्ति यू.ललित फैसला देने के बाद सेवानिवृत्त हो गए हैं। इस मामले में 7 अप्रैल 2022 को सुप्रीम कोर्ट ने मामले की सुनवाई कर तीनों दोषियों की मौत का फैसला सुरक्षित रखा था। तीन जजों की खंडपीठ को यह तय करना था कि मौत की सजा को बरकरार रखा जाए या नहीं।

सुनवाई के लगभग 7 महीने बाद सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में आरोपियों को बरी कर दिया। दिल्ली पुलिस ने सुप्रीम कोर्ट में भी मृत्युदंड की सजा को बरकरार रखने की दलील दी थी। दिल्ली पुलिस ने इस मामले की बड़े विस्तृत ढंग से जांच की थी। ट्रायल कोर्ट में भी लगभग 2 वर्षों तक मामला चलता रहा। सेशन कोर्ट ने सबूतों के आधार पर तीनों अभियुक्तों को मृत्युदंड की सजा सुनाई थी। दिल्ली हाई कोर्ट द्वारा उसकी सुनवाई के पश्चात मृत्युदंड की सजा की पुष्टि कर दी थी। सुप्रीम कोर्ट में यह मामला मृत्युदंड की सजा को चुनौती देने के लिए दायर किया गया था।

लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने मृत्युदंड के स्थान पर तीनों आरोपियों को बरी कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने यह फैसला लंबे समय तक सुनवाई के पश्चात फैसले के लिए लगभग 7 माह तक लंबित रखा गया।

रेप और हत्या जैसे मामले में वह भी जब अपराध की प्रकृति बेहद बर्बर तरीके की थी। जिस युवती का अपहरण किया गया। उसके साथ तीनों आरोपियों ने बलात्कार किया। बलात्कार के बाद तरह-तरह की यातनाएं दी गई। उसकी हत्या कर शव को क्षत-विक्षत किया। उसके शव को रेवाड़ी जिले के रोपड़ गांव में जाकर फेंक दिया गया। इस घटना के बाद सारे देश में बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया हुई थी। हत्यारों ने बड़े अमानुषिक ढंग से रेप के बाद लड़की को बुरी तरह से शारीरिक रूप से प्रताड़ित करते हुए हत्या की थी।

विधि विशेषज्ञों का ही मानना है कि सुप्रीम कोर्ट से कहीं ना कहीं फैसला देते समय गलती हुई है। सुप्रीम कोर्ट को ऐसा लगता था कि यदि मामले की सुनवाई ठीक तरीके से नहीं हुई है। सेशन कोर्ट और हाईकोर्ट ने भयानक तरीके से फैसला किया है। तो एक बार फिर से प्रकरण सेशन कोर्ट में जाना चाहिए था। ऐसा ना करके अपराधियों को पूरी तरह से बरी करके, सुप्रीम कोर्ट से न्यायिक प्रक्रिया में बहुत बड़ी चूक हुई है। रेप और हत्या जैसे बर्बर अपराध में जब आरोपियों द्वारा पीड़ित परिवार को डराया जा रहा हो, धमकी दी जा रही हो। बलात्कार की बहुती घटनाओं और महिला पक्ष को न्याय के प्रति आस्था जगाने के स्थान पर, सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय विवादों में घिर गया है। पिछले कुछ महीनों से लगातार न्यायपालिका के निर्णयों को लेकर आम आदमी में न्यायपालिका के प्रति अविश्वास बढ़ रहा है।

दैनिक पंचांग

09 नवम्बर 2022 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

बुधवार 2022 वर्ष का 313 वां दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** शरद।
विक्रम संवत् 2079 **शक संवत्** 1944
मास कार्तिक **पक्ष** शुक्ल **तिथि** प्रतिपदा 17.18 बजे को समाप्त।
नक्षत्र कृत्तिका 03.09 बजे रात्र को समाप्त। **योग** वरीयान 21.17 बजे को समाप्त। **करण** कौलव 17.18 बजे तदनन्तर तैतिल 05.52 बजे प्रातः को समाप्त। **चन्द्राय** 14.6 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 16° 47'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1871427
जूलियन दिन 2459892.5
कलियुग संवत् 5123
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2548
हिजरी सन् 1444
महीना रवि उस्सानी
तारीख 13
विशेष मासिक कार्तिगाई।

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	तुला में	वृश्चिक	06.48 ब.से
चंद्र	वृष में	धनु	09.04 बजे से
मंगल	मिथुन में	मकर	11.09 बजे से
बुध	तुला में	कुंभ	12.56 बजे से
गुरु	मीन में	मीन	14.28 बजे से
शुक्र	तुला में	मेष	15.59 बजे से
शनि	मकर में	वृष	17.39 बजे से
राहु	मेष में	मिथुन	19.37 बजे से
केतु	तुला में	कर्क	21.51 बजे से
राहुकाल 12.00 से 1.30 बजे तक		सिंह	00.07 बजे से
		कन्या	02.19 बजे से
		तुला	04.29 बजे से

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	05.54 से	07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से	07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से	08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से	08.44 बजे तक
काल	08.15 से	10.49 बजे तक	अमृत	08.44 से	10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से	11.47 बजे तक	चर	10.16 से	11.47 बजे तक
रोग	11.47 से	01.16 बजे तक	रोग	11.47 से	01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से	02.44 बजे तक	काल	01.19 से	02.51 बजे तक
चर	02.44 से	04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से	04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से	05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

श्रीराम एवं श्रीरामकथा की प्रासंगिकता

लेखक- डॉ. नरेन्द्रकुमार मेहता

राम चरित सत कोटि अपारा।
श्रुति सारदा न बरनै पारा।।
(श्रीरामचरितमानस उत्तरकाण्ड 52 (क))।

यह प्रसिद्ध उक्ति रामायण के सम्बन्ध में प्रचलित है तथा चरितार्थ भी है कि जो रामायण में नहीं है वह विश्व में भी नहीं है क्योंकि रामायण (श्रीरामकथा) केवल भारत की ही धरोहर नहीं है अपितु वह मानव मात्र की महिमा का गुणगान करने वाली विश्वव्यापी कृति है। यह देश काल और व्यक्ति की परिकल्पित सीमाओं से परे है।

राम शब्द में रमणीयता है और अयन' शब्द में जो गतिशीलता है- दोनों का मणि-कांचन संयोग ही रामायण (श्रीरामकथा) है। एक और महत्वपूर्ण विशेषता इस %अयन' को यह है कि केवल राम का एकांगी अयन नहीं है, वरन् यह सीताजी और श्रीरामजी का समन्वित और समेकित अयन है। रामायण शब्द में ही यह समन्वयवादी भावना-विचारधारा है। देखा जाय तो वास्तव में यह श्रीराम और राम (सीताजी) दोनों का अयन है। महर्षि वाल्मीकिजी ने सीताजी के लिए %राम' शब्द का प्रयोग किया है।

श्रीरामकथा वर्तमान भारतीय जन-जीवन के साथ इतनी निकटता से जुड़ी और गूँथी हुई है। जैसे वह उसका अन्न-पान अथवा जलवायु हो। साधारण जन के दैनंदिनी जीवन में ऐसी घटना नहीं घटती है, जिसमें श्रीरामकथा का कोई प्रसंग याद नहीं आता हो। सुख में, दुःख में, संयोग में, वियोग में, भोग में, रोग में, त्याग में जीवन की हर क्षण अनुभूति में श्रीरामकथा की कोई न कोई बात अनायास जुड़ जाती है। प्राणों की चिन्ता किए बिना अपने दिए गए वचन का विधिवत पालन करने वाले आदर्श व्यक्ति को देखकर सत्यसंध महाराजा दशरथजी का स्मरण हो जाता है। आदर्श पुत्र हो तो श्रीराम जैसा, साध्वी पत्नी हो तो सीताजी जैसी होनी चाहिए, अनुगामी भाई हो तो लक्ष्मण जैसा होना चाहिए, न्यायी शक्ति राजा (शासक) हो तो भरतजी जैसा होना चाहिए, पूर्ण समर्पित सेवक हो तो हनुमान्जी जैसा होना चाहिए। इसी प्रकार श्रीरामकथा के अनेक पात्रों को कई बराबर स्मरण करते हुए भारतवासी अपने जीवन में आदर्श गुणों को प्रतिष्ठित करने का भरपूर प्रयत्न करते हैं।

भारत के ही नहीं अपितु विश्वभर के प्रसिद्ध विद्वानों ने श्रीरामचरितमानस एवं श्रीराम के चरित्र की भूरि-भूरि प्रशंसा की है। अयोध्यासिंह उपाध्याय ने इसकी विशेषता के सम्बन्ध में कहा है-

कविता करके तुलसी न लसे, कविता लसी पा तुलसी की कला।

इसी प्रकार राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त ने लिखा है-

यह मानस आदर्श सुभाग, ननस्तप सब हट जाता है।
उसमें रामचरित रसधारा, पाप ताप ही हट जाता है।

चक्रवर्ती राजगोपालाचारी ने भी लिखा है-

सियाराम, हनुमान और भरत को छोड़कर हमारी कोई गति नहीं। हमारे मन की शान्ति, हमारा सब कुछ उन्हीं के भवन में निहित है। उनकी पुण्य कथा हमारे पूर्वजों की धरोहर है। इसी के आधार पर हम आज जीवित हैं। जब तक हमारी भारत भूमि में गंगा और कावेरी प्रवाहमान है, तब तक सीता-राम की कथा भी आबाल स्त्री पुरुष, सबमें प्रचलित रहेगी, माता तो हम हमारी जनता की रक्षा करती रहेगी।

आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, डॉ. राजेन्द्रप्रसाद एवं राष्ट्रपिता महात्मा गाँधीजी के अपने अमूल्य विचारों को सदैव स्मरण करते रहना चाहिए। अनेक विदेशी विद्वानों ने श्रीरामचरितमानस को विश्व का सर्वोत्कृष्ट महाकाव्य निरूपित किया है। यह हमारे लिए गौरव की बात है।

प्रसिद्ध इतिहासकार वी.ए. स्मिथ ने %अकबर द ग्रेट मुगल' में उल्लेख किया है कि तुलसीदास उस युग के महानतम पुरुष थे। स्मिथ ने यह भी कहा है कि यह कहना उचित है कि तुलसी के काल में अकबर था न कि अकबर के काल में तुलसी थे। कामिल बुल्के रोमन कैथोलिक संघ के प्रसिद्ध धर्म प्रचारक थे। वे धर्म प्रचार के लिए 1935 में भारत आए तथा उन्होंने %रामकथा उदभव और विकास' पर डी. फिल किया। उन्होंने उनके देश बेल्जियम में ही एक जर्मन ग्रन्थ में पढ़ा।

धन्य जनम जग, तीतल तासू।
पितहि प्रमोद चरित सुन जासू।।

बस फिर क्या था? वे श्रीरामचरितमानस की कथा पर मुग्ध हो गए। भारत में आ जाने के पश्चात उन्होंने जीवनभर हिन्दी की सेवा की। कामिल बुल्के श्रीरामचरितमानस के अनन्य उपासक भक्त थे। आज भी हम देखते हैं कि दक्षिण पूर्व एशिया की संस्कृतियों के मूल में श्रीरामकथा विशेषतः प्रतिष्ठित है। थाईलैण्ड, कम्बोडिया, मलेशिया, इण्डोनेशिया, लाओस, म्यामार में श्रीरामकथा के दर्शन प्राप्त होते हैं। भारतीय मजदूरों ने गिरमिटिया के रूप में श्रीरामचरितमानस और हनुमान चालीसा अपने साथ ले जाकर मारिशस, फीजी, सूरिनाम आदि में उनको जीवन का आधार ही बना लिया। आज भी मारिशस को लघुभारत के नाम से जाना जाता है। इण्डोनेशिया मुस्लिम देश है किन्तु वहाँ रामायण संस्कृति जन-जन में घुली-बसी लगती है। इण्डोनेशिया में श्रीरामकथा के प्रचार और प्रसार का सम्पूर्ण श्रेय उड़ैसा राज्य के भारतीय व्यापारियों को है। जो व्यापार करने वहाँ जाते थे तथा रामायण साथ ले जाते थे। आज भी इण्डोनेशिया में योगेश्वरकृत %ककवीन' रामायण जन-जन में अत्यन्त ही लोकप्रिय है। वहाँ के शासक वर्ग शपथ विधि समारोह में शपथ ग्रहण के समय %ककवीन' में वर्णित उन आठ व्रतों को ग्रहण करते हैं, जो श्रीराम के आदेशानुसार विभीषण ने राज्याभिषेक के समय ग्रहण किए थे। इण्डोनेशिया के जावा प्रान्त में प्रायः सभी जनता मुसलमान है किन्तु रामायण संस्कृति विशेष रूप से परिलक्षित एवं जीवित है। इतना ही नहीं इण्डोनेशिया के बाली द्वीप की नृत्य-नाट्य प्रदर्शनी में श्रीरामकथा का मंचन होता रहता है। इण्डोनेशिया में 13677 द्वीप हैं किन्तु समस्त द्वीप रामभय हैं तथा रामकथा सर्वत्र राष्ट्रीय जीवन में ओत-प्रोत दिखाई देती है। मलेशिया, कम्बोडिया तथा बर्मा में रामायण परमपा है तथा उनके भिन्न-भिन्न रूप हैं।

रहीम की राम भक्ति भी प्रसिद्ध है। उनकी गोस्वामी तुलसीदासजी से घनिष्ठता भारत में सर्वविदित है। यथा-
गहि सरनागति राम की, भवसागर की नाव।
रहिमन लगत उबार को, और कछु न उपाय।
इस तरह श्रीराम की भक्ति ही संसार-सागर में उद्धार पा जाने का एक मात्र ही शरणागति उपाय है।

अवध के नवाब बाजिद अली शाह कहते थे-
हमेशा है अवधनन्दन, दुखहरी छवि का दर्शन हो।

इस प्रकार श्रीरामकथा निर्विवाद रूप से सर्वकालिक एवं सार्वजनिक है। श्रीराम और श्रीरामकथा सम्बन्धे लिए है।

डॉ. सर मोहम्मद इकबाल ने श्रीराम के बारे में लिखा है-
है राम के वजूद पै हिन्दोस्तॉ को नाज़।
अहल ए नजर समझते हैं उन्हें इमाम ए हिन्द।

ब्रह्माजी ने महर्षि वाल्मीकि को वरदान देकर कहा- पुण्यमयी मनोरम कथा कहो। पृथ्वी पर जब तक गिरि और सरिताएँ हैं, तब तक श्रीरामकथा लोकों में प्रचारित होती रहेगी यथा-

कुरु रामकथां पुण्यां श्लोककद्धां मनोरमाम।
यावत् स्यास्यन्ति गिरय-सरितश्च महीतले।।
तावद् रामायणकथा लोकेषु प्रचरिष्यति।
यावद् रामस्य च कथा त्वत्कृता प्रचरिष्यति।।

वाल्मीकि रामायण बाल 35 36-37

ब्रह्माजी ने वाल्मीकिजी से कहा कि तुम श्रीरामचन्द्रजी की परम् पवित्र एवं मनोरम कथा को श्लोकबद्ध करके रचना करो।

12वीं के बाद कैसे करें सही कोर्स का चुनाव

कोरोना के कारण छात्रों का एजुकेशन बुरी तरह से प्रभावित हुआ है, सबसे ज्यादा परेशानी उन छात्रों को हो रही है, जिन्होंने इस सत्र में 12वीं पास किया है। छात्र खुद का आकलन नहीं कर पा रहे, जिसके कारण वे समझ नहीं पा रहे हैं, कि आगे क्या करें। कौन सा कोर्स करें और किसमें करियर बेहतर तरीके से बना सकते हैं। कई बार छात्र गलत सलाह से तो बार माता- पिता के दबाव में आ कर ऐसा कोर्स चुन लेते हैं जिनमें उनकी रूची नहीं होती।

पहले खुद का करें आकलन

छात्रों का सही आकलन परीक्षा में अंक हासिल करने से होता है, ज्यादातर छात्र आगे चलकर उन्हीं कोर्स में दाखिला लेते हैं, जिनमें उन्हें अच्छा अंक हासिल होता है, लेकिन कोरोना के कारण परीक्षा न होने से छात्र अपना आकलन नहीं कर पा रहे हैं। हालांकि आप अपना बेहतर आकलन बिना परीक्षा के भी कर सकते हैं। आप इस बारे में सोचें कि आप कौन हैं, आप किसमें अच्छे हैं और आपको क्या पसंद है। इससे आपको ऐसे करियर आइडिया चुनने में मदद मिलेगी जो आपकी स्किल और इंटरेस्ट से मेल खाता हो। अपने इंटरेस्ट के सभी क्षेत्रों को उसकी खूबियों के साथ पेपर पर लिखिए, इसके बाद फैसला लें कि आपके लिए क्या कोर्स करियर के लिहाज से बेस्ट रहेगा।

पसंदीदा सब्जेक्ट की सूची बनाएं

कॉलेज में दाखिला लेने से पहले आप अपने पसंदीदा सब्जेक्ट और फिल्ड्स की एक सूची बनाएं। इससे आपको करियर विकल्प देखने में मदद मिलेगी। यह सूची उस चीज को खत्म करने में भी मददगार हो सकती है जिसे आप बिल्कुल पसंद नहीं करते या नापसंद करते हैं। इस सूची के आधार पर 10- 15 करियर विकल्पों को नोट करें जो आपकी रुचियों को पूरा कर सकते हैं।

सही कोर्स का चुनाव करें

सभी किसी न किसी विषय में माहिर होते हैं, आप भी जिस विषय में खुद को माहिर समझते हैं उसके अनुसार ही कोर्स का चयन करें। आज की तारीख में ऐसे कई कोर्स हैं जिन्हें आप करियर के अनुसार ढाल सकते हैं। इसके लिए जरूरी नहीं कि आप महंगे कोर्सेज में दाखिला लें। पढ़ाई के लिए कई ऑप्शन मौजूद हैं। आप किसी भी संस्थान से डिग्री कोर्स, डिप्लोमा कोर्स, वीकेंड कोर्स, डिस्टेंस लर्निंग कोर्स कर सकते हैं। एडमिशन लेने से पहले आप वहां पढ़ने वाले पूर्व छात्रों से बातचीत करके तमाम जानकारी ले सकते हैं। सिलेबस स्कोप क्या है वो पहले पढ़ने वाले छात्र बता सकते हैं, उसी अनुसार फैसला लें।

बेहतर करियर ग्रोथ की संभावना देखें

किसी भी कॉलेज या कोर्स में दाखिला लेने से पहले यह ध्यान रखें कि उस कोर्स में करियर ग्रोथ कैसा है। अगर आप ऑफबीट कोर्स का चयन कर रहे हैं तो भविष्य में उसके विस्तार और उसमें ग्रोथ की संभावनाओं को लेकर अच्छे से विचार करें, इसके साथ ही ये भी देखें कि उस फील्ड में नौकरी मिलने के कितने चांसेस हैं। साथ ही ये भी देखना चाहिए कि उस संबंधित कोर्स में हायर स्टडीज की पॉसिबिलिटी है या नहीं।

दबाव में न करें कोर्स चयन

दाखिले के समय आप अभिभावकों के दबाव में आकर किसी कोर्स या संस्थान का चुनाव न करें, इससे आपका भविष्य खतरे में पड़ जाएगा। जिस भी कोर्स या संस्थान में एडमिशन ले रहे हैं उसकी मान्यता, फैकल्टी और प्लेसमेंट परफॉर्मेंस की जानकारी जरूर लें। अपने इंटरेस्ट और भविष्य की संभावनाओं को देखते हुए कोर्स सेलेक्ट करेंगे तो यकीन मानिए आपका आने वाला भविष्य करियर के लिहाज से बेहद ही ब्राइट होगा और ग्रोथ के भी काफी चांसेस मिलेंगे।

करियर विकल्पों की जांच करें

आपके द्वारा अगर कोर्स और करियर विकल्पों चुन लिया जाए तो आप प्रत्येक को-न्यूनतम योग्यता, लाभ और क्षमिया, वेतन और विकास के अवसरों जैसे विभिन्न मानकों पर विश्लेषण करें। साथ ही आप उन करियर में पहले से कार्य करने वाले लोगों के साथ कुछ समय बिताएं, इससे उस क्षेत्र बारे में आपको अधिक जानकारी मिल पाएगी। जैसे अगर आप सीए बनना चाहते हैं, तो किसी सीए से मिले और उसके कार्य और करियर ग्रोथ के बारे में उससे बातचीत करें।

एक कुशल सॉफ्टवेयर आर्किटेक्ट कैसे बनें

एक सॉफ्टवेयर आर्किटेक्ट संरचित सॉफ्टवेयर सोल्युशन की पहचान करता है जो किसी कंपनी की तकनीकी जरूरतों को पूरा करने में मदद करते हैं। वे सॉफ्टवेयर डेवलपर या कंप्यूटर प्रोग्रामर द्वारा उपयोग की जाने वाली तकनीकों और प्रक्रियाओं का निर्धारण करते हैं।

सॉफ्टवेयर आर्किटेक्ट नाम में कई चीजें शामिल हैं। इसमें एक नेतृत्व भूमिका, एक डिजाइन भूमिका, एक ग्राहक-सामना करने वाली भूमिका और एक तकनीकी भूमिका निहित है। लेकिन एक वास्तुकार के विपरीत जो इमारतों या पुलों को डिजाइन करता है, एक सॉफ्टवेयर आर्किटेक्ट सॉफ्टवेयर डिजाइन करता है, जो कंपनियों और ग्राहकों की समस्याओं का समाधान करता है।

एक सॉफ्टवेयर आर्किटेक्ट कौन होता है ?

जैसा कि नाम से पता चलता है, एक सॉफ्टवेयर आर्किटेक्ट एक प्रकार का डिजाइनर होता है। हालांकि सॉफ्टवेयर आर्किटेक्ट केवल सोल्युशन डिजाइन नहीं करते हैं बल्कि वे डेवलपर्स की एक टीम का नेतृत्व करते हैं, प्रोजेक्ट कार्यों को बनाते और असाइन करते हैं, यह सुनिश्चित करने के लिए ग्राहकों के साथ बात करते हैं कि सोल्युशन उनकी समस्याओं का समाधान करता है और उन्हें प्रोजेक्ट की प्रगति के बारे में सूचित करता है और यह सुनिश्चित करता है कि कुल मिलाकर सब कुछ सुचारू रूप से चलता है। एक सॉफ्टवेयर आर्किटेक्ट संरचित सॉफ्टवेयर सोल्युशन की पहचान करता है जो किसी कंपनी की तकनीकी जरूरतों को पूरा करने में मदद करते हैं। वे सॉफ्टवेयर डेवलपर या कंप्यूटर प्रोग्रामर द्वारा उपयोग की जाने वाली तकनीकों और प्रक्रियाओं का निर्धारण करते हैं। यदि आप प्रोग्रामिंगकी में रुचि रखते हैं, तो एक सॉफ्टवेयर आर्किटेक्ट के रूप में करियर के बारे में ज्ञान प्राप्त करने से आपको यह तय करने में मदद मिल सकती है कि आप इस क्षेत्र में प्रवेश करना चाहते हैं या नहीं।

सॉफ्टवेयर आर्किटेक्ट के कुछ कर्तव्यों में शामिल हैं :

- कौन से मानक या उपकरण सर्वोत्तम हैं, यह निर्धारित करने के लिए परियोजना की जरूरतों का मूल्यांकन करना
- पूरे प्रोजेक्ट को छोटे छोटे घटणों में तोड़ना
- यह सुनिश्चित करना कि परियोजना समय पर आगे बढ़े
- सही उत्पाद सुनिश्चित करने के लिए टीम के साथ व्यवसाय की जरूरतों का संचार करना
- बग के लिए कोड की जाँच करना
- यह सुनिश्चित करना कि उत्पाद भविष्य के परिवर्तनों को संभाल सकता है

कैसे बनें ?

बहुत से लोग सोचते हैं कि वे सॉफ्टवेयर आर्किटेक्ट कैसे बनें, लेकिन यह प्रवेश स्तर की स्थिति नहीं है। वह केवल वर्षों के अनुभव, बढ़ती जिम्मेदारी और अवसर उन्नत शिक्षा के बाद ही इस लेवल पर पहुंचता है।

बुनियादी योग्यता प्राप्त करें

आप 10 वीं कक्षा के बाद विज्ञान विषय का विकल्प चुन सकते हैं। यह आपको 12वीं कक्षा पूरी करने के बाद इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा में बैठने के योग्य बनाता है। साथ ही विज्ञान के साथ- साथ कंप्यूटर को चुनने से प्रोग्रामिंग भाषाओं और कंप्यूटर की अन्य बुनियादी बातों का आधार बनाने में मदद मिल सकती है।

स्नातक की डिग्री अर्जित करें

एक सॉफ्टवेयर आर्किटेक्ट बनने के कदम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा स्नातक की डिग्री है। आप या तो बीटेक या बैचलर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन (बीसीए) कर सकते हैं। दोनों डिग्रियां सॉफ्टवेयर डिजाइन और विकास में व्यापक स्कोप प्रदान करती हैं।

अनुभव प्राप्त करें

आप अपनी स्नातक की डिग्री के दौरान इंटर्नशिप के माध्यम से अनुभव प्राप्त कर सकते हैं। इंटर्नशिप आपको वास्तविक कार्य वातावरण से परिचित करवाती है और आपको अपने कौशल को मजबूत करने में मदद करती है। यह आपको पेशेवरों के साथ नेटवर्क बनाने और उद्योग में प्रवेश करने के लिए मौजूदा बाजार आवश्यकताओं में अंतर्दृष्टि प्राप्त करने में सक्षम बनाता है। इंटर्नशिप करने से आपको प्रतिस्पर्धात्मक लाभ मिलता है और आपका रिज्यूमे मजबूत होता है।

मास्टर डिग्री हासिल करें

हालांकि यह अनिवार्य नहीं है, लेकिन कुछ कंपनियां मास्टर डिग्री वाले उम्मीदवारों की तलाश कर सकती हैं। यदि आपने बीटेक की डिग्री प्राप्त की है तो आप संबंधित विषय में एमटेक कर सकते हैं।

सर्टिफिकेशन प्राप्त करें

एक सॉफ्टवेयर आर्किटेक्ट के रूप में प्रोग्रामिंग भाषाओं में कुशल होना महत्वपूर्ण है। आप जावा और पायथन जैसी भाषाओं में सर्टिफिकेशन प्राप्त कर सकते हैं।

सॉफ्टवेयर आर्किटेक्ट का औसत वेतन

एक सॉफ्टवेयर आर्किटेक्ट का औसत वार्षिक वेतन 12,08, 186 प्रति वर्ष हो सकता है। हालांकि आपका वेतन भिन्न हो सकता है क्योंकि यह आपके अनुभव, कार्य स्थान और योग्यता पर निर्भर करता है।

लहरों के बीच करियर को आकार देता संस्थान

भारत शुरू से ही मेरीटाइम हेरिटेज का गढ़ रहा है। इतिहासकारों ने भी इस बात की पुष्टि की है कि हड़प्पा सभ्यता के समय से ही अन्य देशों के साथ यहां व्यापार होता था। इसी विरासत को सहेजने के उद्देश्य से इंडियन मेरीटाइम यूनिवर्सिटी की स्थापना एक सेंट्रल यूनिवर्सिटी के रूप में पार्लियामेंट के एक्ट के अनुसार की गई थी। यह अपने आप में ऐसी पहली यूनिवर्सिटी है, जो मेरीटाइम सेक्टर से जुड़ी शैक्षिक जरूरतों को पूरा करती है। इसके अंतर्गत मेरीटाइम सेक्टर से संबंधित डिग्री, पोस्ट ग्रेजुएट एवं रिसर्च प्रोग्राम संचालित किए जाते हैं। इसके अंतर्गत मेरीटाइम सेक्टर से संबंधित डिग्री, पोस्ट ग्रेजुएट एवं रिसर्च प्रोग्राम संचालित किए जाते हैं। यह अपने आप में ऐसी पहली यूनिवर्सिटी है, जो मेरीटाइम सेक्टर से जुड़ी शैक्षिक जरूरतों को पूरा करती है। इसके अंतर्गत मेरीटाइम सेक्टर से संबंधित डिग्री, पोस्ट ग्रेजुएट एवं रिसर्च प्रोग्राम संचालित किए जाते हैं। इस यूनिवर्सिटी का मुख्यालय चेन्नई में स्थित है तथा यह 106 एकड़ में फैला हुआ है। इसके अन्य क्षेत्रीय कैंपस चेन्नई, मुंबई, कोलकाता और विशाखापत्तनम में हैं।

प्रमुख डिपार्टमेंट

यूनिवर्सिटी द्वारा आठ प्रमुख डिपार्टमेंट्स का संचालन किया जाता है- पोर्ट मैनेजमेंट, नॉटिकल साइंस, मैरीन इंजीनियरिंग, ट्रांसपोर्ट एंड लॉजिस्टिक (बिजनेस स्कूल), मैरीन साइंस, मैरीटाइम लॉ, नेवल आर्किटेक्चर एंड शिप बिल्डिंग, इनलैण्ड वॉटर ट्रांसपोर्ट

इंफ्रास्ट्रक्चर

इस संस्थान की एक खास बात यह है कि यहां पर योग्य फैकल्टी एवं बेहतर इंफ्रास्टक्चर मौजूद है। इसका सीधा फायदा छात्रों को मिलता है। संस्थान एवं संबंधित सभी संस्थानों में एयरकंडीशन क्लासरूम हैं तथा वहां पर छात्रों के ज्ञानवर्धन के लिए समय-समय पर वर्कशॉप्स भी आयोजित की जाती हैं। लेबोरेटरी, हॉस्टल के अलावा संस्थान का अपना जिम एवं लाइब्रेरी भी है। फायर स्टेशन और हॉस्पिटल की सुविधाएं संस्थान को औरों से अलग खड़ा करती हैं।

कोर्स एवं दाखिला

इसमें सबसे चर्चित कोर्स बीएससी इन नॉटिकल साइंस तीन वर्षीय (छह सेमेस्टर) है। इसका माध्यम अंग्रेजी है। इसमें दाखिला प्रवेश परीक्षा (कॉमन एंट्रेंस टैस्ट) के आधार पर होता है। इसके लिए छात्र को किसी मान्यताप्राप्त बोर्ड से फिजिक्स, कैमिस्ट्री व मैथ्स सहित 12वीं की परीक्षा 55 फीसदी अंकों के साथ पास होना जरूरी है। उम्र भी 25 वर्ष निर्धारित की गई है। इस प्रवेश परीक्षा का आयोजन आईएमयू द्वारा साल में दो बार अर्थात् जनवरी/फरवरी तथा जुलाई/अगस्त में किया जाता है। प्रवेश परीक्षा में सफल होने के पश्चात उक्त कोर्स में दाखिला मिलता है। इस कोर्स की फीस 2.20 लाख रुपए है। यदि कोई छात्र प्रथम और द्वितीय सेमेस्टर की परीक्षा पास कर लेता है तो उसे डिप्लोमा इन नॉटिकल साइंस (डीएनएस) की डिग्री मिलती है। इसके अतिरिक्त कुछ मॉड्यूलर कोर्सेज जैसे फायर प्रिवेशन, फायर फाइटिंग, पर्सनल सेफ्टी एंड सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी एवं एलिमेंटरी फर्स्ट एड आदि भी संचालित किए जाते हैं।

इंट्रेंस टैस्ट का प्रारूप

इसमें दाखिले के लिए आयोजित होने वाली प्रवेश परीक्षा तीन घंटे के लिए निर्धारित होती है तथा इसमें छह विषयों (इंग्लिश, जनरल नॉलेज, रीजनिंग एप्टीट्यूड, मैथमेटिक्स, फिजिक्स, कैमिस्ट्री) से संबंधित कुल 180 बहुविकल्पीय प्रश्न पूछे जाते हैं। इनका स्तर 10+2 है।

आईएमयू से संबद्ध संस्थानों द्वारा निम्न कोर्स संचालित किए जाते हैं

- बीएससी इन नॉटिकल साइंस (तीन वर्षीय)
- बीटेक इन मेरीन इंजीनियरिंग (चार वर्षीय)
- बीटेक इन नेवल आर्किटेक्चर एंड ओसियन इंजीनियरिंग (चार वर्षीय)
- बीएससी इन शिप रिपेयर एंड शिप बिल्डिंग (तीन वर्षीय)
- एमबीए इन पोर्ट एंड शिपिंग मैनेजमेंट (दो वर्षीय)
- मास्टर प्रोग्राम इन मेरीटाइम लॉ (दो वर्षीय)
- डिप्लोमा कोर्स इन नॉटिकल साइंस (एक वर्षीय)
- पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन मेरीन इंजीनियरिंग (एक वर्षीय)
- एडवांस फायर फाइटिंग कोर्स (एक सप्ताह)

बदल रही है मीडिया और एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री

आज के समय में गेमिंग, एनिमेशन, स्पेशल इफेक्ट्स, एडवरटाइजिंग की जानकारी रखने वालों की भारी डिमांड है, आने वाला भविष्य भी इन्हीं का है।

मीडिया और इंटरटेनमेंट जगत में काम के तरीके लगातार बदल रहे हैं। इसमें सबसे ज्यादा बदलाव कोरोना के कारण आया है। कोरोना के कारण इस क्षेत्र में जहां हजारों लोगों की नौकरियां गई हैं, वहीं इसका स्वरूप भी बदल गया है। पहले जहां सिनेमा हॉल में लोग मूवी देखने जाते थे, वहीं अब लोग अपने घरों में कैद होकर ऑनलाईन प्लेटफार्म पर आ गए हैं। जिसके कारण ही आज एंटरटेनमेंट के क्षेत्र में भारी बदलाव हुआ है। आज के समय में वर्चुअल इवेंट्स और कॉन्सर्ट्स, ऑनलाइन गेमिंग, फ्री एंटरटेनमेंट सब्सक्रिप्शन, स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर रिलीज होने वाली ब्लॉकबस्टर मूवी आदि के कारण एंटरटेनमेंट का क्षेत्र बहुत कम समय में व्यापक हो गया है। आज ऑनलाईन प्लेटफार्म पर अंग्रेजी और हिंदी के अलावा क्षेत्रिय दर्जनों भाषाओं में कंटेंट उपलब्ध है। इस क्षेत्र में हो रहे इस बदलाव के कारण यहां नौकरियों के अवसर भी बढ़ हैं।

मीडिया और मनोरंजन उद्योग का भविष्य

मीडिया और मनोरंजन उद्योग में वृद्धि की संभावनाओं पर प्रकाशित एक रिपोर्ट में कहा गया है कि साल 2030 तक भारतीय मनोरंजन और मीडिया सेगमेंट 10 फीसदी की ज्यादा दर से बढ़ेगा और 100 अरब डॉलर तक हो जाएगा। कोरोना वायरस महामारी के कारण ओटीटी प्लेटफॉर्म्स, इंटरनेट विज्ञापन, वीडियो गेम और ई-स्पोर्ट्स सेगमेंट कुछ कर रहे हैं। भारत में ओटीटी वीडियो में सबसे ज्यादा वृद्धि की उम्मीद है और इस उद्योग में 2024 तक इसकी हिस्सेदारी 52 फीसदी तक पहुंचने की उम्मीद है। इंटरनेट विज्ञापन में भी भारी वृद्धि हो सकती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि एडमिशन के मामले में भारत दुनिया का सबसे बड़ा सिनेमा बाजार बना रहेगा। इन क्षेत्र में जॉब्स ऑप्शन -

एनिमेशन

एनिमेशन देश और दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ने वाली आर्ट्स एनैब्लड सर्विसेज में से एक है। नैस्कॉम की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2020 तक सिर्फ भारत में एनिमेशन उद्योग में काम करने वाले प्रोफेशनल्स की संख्या करीब 7 लाख से अधिक है। एनिमेशन इंडस्ट्री में विजुअलाइजर, इंक व पेंट आर्टिस्ट, स्पेशल इफेक्ट पर्सन, कैरेक्टर एनिमेटर और मॉडलिंग आर्टिस्ट के रूप में प्रोफेशनल्स की जरूरत होती है।

गेमिंग

मल्टी मीडिया की यह ब्रांच आज सभी वर्ग के लोगों में तेजी से लोकप्रिय हो रही है। ऑनलाइन प्लेटफार्म पर हमें सैकड़ों ऐसे गेम मिल जाते हैं, जिन्हें हम घर बैठे खेल सकते हैं। इसके लिए भी विजुअलाइजर, इंक व पेंट आर्टिस्ट, स्पेशल इफेक्ट पर्सन, कैरेक्टर एनिमेटर की जरूरत पड़ती है।

इंटरैक्टिव मल्टीमीडिया एवं वेब इंडस्ट्री

इंफॉरमेशन टेक्नोलॉजी इंडस्ट्री के तेजी से आगे बढ़ने से संचार की एक नई कला सामने आई है। इससे ग्लोबल कम्युनिटी से संपर्क का दरवाजा खुल गया है। इसका सबसे बड़ा माध्यम इंटरनेट है, जिसकी पहुंच दुनिया के कोने-कोने तक हो गई है। ई-कॉमर्स और इंटरैक्टिव पोर्टल्स ने भी मल्टीमीडिया विशेषज्ञों के लिए खूब संभावनाएं जगाई हैं। इस फील्ड में एंट्री के लिए वेब इंजीनियरिंग का कोर्स करना जरूरी होता है।

कार्टून फिल्में

भारत में आज सैकड़ों कार्टून फिल्में बनती हैं, कुछ वर्ष पहले तक भारत में कार्टून फिल्में विदेश से बनकर आती थीं और यहां डब की जाती थी। मगर देश में ट्रेंड लोगों की बढ़ती संख्या के कारण अब देश में ही इनका निर्माण होने लगा है। ऐसी फिल्मों में 2डी और 3डी एनिमेशन तथा साउंड इफेक्ट्स का इस्तेमाल किया जाता है।

एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री

आज इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, विज्ञापन फिल्मों और टीवी सीरियल्स में भी मल्टीमीडिया के मास्टर अपने जौहर खूब दिखा रहे हैं। लगातार बढ़ते ओटीटी प्लेटफॉर्म और चैनलों और उनके लिए बनाए जाने वाले प्रोग्राम्स की भारी डिमांड देखते हुए इस क्षेत्र में डिजाइनर, गेम्स डिजाइन स्पेशलिस्ट, एनिमेटर आदि की खूब मांग है।

पब्लिशिंग इंडस्ट्री

मल्टीमीडिया का फायदा पब्लिशिंग इंडस्ट्री भी जमकर उठा रही है। चाहे न्यूज पेपर्स, मैगजीन्स, बुक्स हों या फिर ऑनलाइन मैगजीन्स, सभी में कम्प्यूटर टेक्नोलॉजी, इंटरनेट, वेबसाइट्स आदि का जमकर इस्तेमाल हो रहा है।

फैशन व इंटीरियर डिजाइनिंग

बदलते दौर में नित नए फैशन की डिमांड होती है। इस डिमांड को मल्टीमीडिया की बदौलत ही पूरा करना संभव हो पा रहा है। इंटीरियर डिजाइनिंग में भी इसकी मदद ली जा रही है।

टी20 विश्वकप के पहले सेमीफाइनल में आज होगा पाक और न्यूजीलैंड का मुकाबला

सिडनी। टी20 विश्वकप के पहले सेमीफाइनल में बुधवार को पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच मुकाबला होगा। इस मैच में दोनो ही टीमों के बीच रोमांचक मुकाबले के आसार हैं। पाकिस्तान की टीम जहां किस्मत के सहारे यहां तक पहुंची है पर अब वह खतरनाक रुख अपना सकती है। वहीं न्यूजीलैंड को मौजूदा चैंपियन ऑस्ट्रेलिया, श्रीलंका और आयरलैंड को हराकर ग्रुप एक में शीर्ष पर रहकर अंतिम चार में जगह बनाई है पर उसके लिए फाइनल की राह आसन नहीं रहेगी। .

आंकड़ों पर नजर डालें तो पाक टीम का पलड़ा भारी है। पाकिस्तान ने साल 1992 के एकदिवसीय विश्वकप सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड को हराया था।

वहीं इससे पहले जब भी विश्व कप के सेमीफाइनल में इन दोनो का सामना हुआ है तब पाक ने जीत दर्ज की। पाकिस्तान ने 1992 और 1999 के एकदिवसीय विश्व कप के साथ ही 2007 के टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड को हराया था। न्यूजीलैंड सीमित ओवरों के टूर्नामेंट के बड़े मैचों में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पायी है। उसने पिछले चार विश्वकप के सेमीफाइनल में जगह बनाई पर वह कभी खिताब नहीं जीत पायी। न्यूजीलैंड की टीम सात वर्षों में तीन विश्व कप फाइनल (2015 और 2019 में वनडे और 2021 में टी20) हारी है। केन विलियम्सन की कप्तानी वाली टीम पाकिस्तान को शुरू में दबाव में लाकर दबाव बनाने की कोशिश करेगी। पाक की परेशानी केवल इतनी है कि उसके बल्लेबाज अभी तक रन बनाने के लिए संघर्ष करते रहे हैं। कप्तान बाबर रन बनाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं जबकि मोहम्मद रिजवान भी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। यहां तक कि बांग्लादेश के खिलाफ 128 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए उन्हें संघर्ष करना पड़ा था।

न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट और टिम साउदी से निपटना पाक बल्लेबाजों के लिए आसान नहीं रहेगा। इन दोनो के सामने ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका की बल्लेबाजी ढह गयी थी। पाक का मजबूत पक्ष भी उसकी गेंदबाजी ही है। कीवी टीम को डेरिल मिशेल, ग्लेन फिलिप्स और कप्तान विलियम्सन के अच्छे फार्म में होने का लाभ मिलेगा। ऐसे में पाक टीम यह मैच जीतकर यह साबित करना चाहेगी कि वह तुक्के से सेमीफाइनल तक पहुंची है। उसके पास तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी और हारिस रउफ है जो किवी बल्लेबाजों पर अंकुश लगा सकते हैं।

अमेरिका में कैरोलिना गार्सिया डब्ल्यूटीए फाइनल जीतने के बाद ट्रॉफी उठाये हुए।

रोहित की चोट गंभीर नहीं, इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल खेलना तय

एडिलेड। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा के यहां गुरुवार को पहले सेमीफाइनल तक फिट होने की पूरी संभावनाएं हैं। रोहित को अभ्यास सत्र के दौरान बांह में एक गेंद लग गयी थी जिसके बाद से ही उनकी फिटनेस को लेकर संशय लगने लगे थे पर अब आई जानकारी के अनुसार रोहित की चोट गंभीर नहीं है और वह इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल मैच में खेलेंगे। एडिलेड ओवल में टीम के थ्रोडाउन विशेषज्ञ एस रघु का सामना करने के दौरान ही एक शार्ट पिच गेंद तेजी से उछलकर उनकी दाहिनी बांह पर लगी थी। इसके बाद वह अभ्यास सत्र छोड़कर चले गए। बाद में उन्होंने आइस पैक लगाने के बाद फिर से अभ्यास किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार उन्होंने जब दोबारा बल्लेबाजी की तो वह किसी तरह की परेशानी का अनुभव नहीं कर रहे थे। जिससे सीटी स्कैन या एक्सरे करवाने की जरूरत नहीं लगी। इसके अलावा उनके पास मैच से पहले एक दिन का समय है जिसमें वैकल्पिक अभ्यास ही होगा। रोहित चोट लगने के बाद काफी परेशान लग रहे थे पर मानसिक अनुकूलन कोच पैडी अपटन ने उनका हौसला बढ़ाया। आइस पैक लगाने और कुछ देर तक आराम करने के बाद रोहित ने फिर से अभ्यास शुरू किया पर थ्रोडाउन विशेषज्ञ को निर्देश दिए गए कि वह तेजी से गेंद न करें और इस बीच भारतीय कप्तान ने अधिकतर रक्षात्मक शॉट ही खेले जिससे यह पता चल सके कि उनके हाथ का मूवमेंट सही है या नहीं।

जोस बटलर ने रोहित को बताया शानदार कप्तान

नई दिल्ली। भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया में जारी टी20 वर्ल्ड कप 2022 के सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली है। सुपर-12 के आखिरी मुकाबले में जिम्बाब्वे को हराकर टीम ने ग्रुप 2 में 8 अंक के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। वहीं दूसरी तरफ इंग्लैंड ने सुपर-12 के अपने आखिरी मैच में श्रीलंका को हराकर ग्रुप 1 में दूसरे स्थान पर पहुंची। अब ये दोनों टीमें गुरुवार (10 नवंबर) को टी20 वर्ल्ड कप के दूसरे सेमीफाइनल में भिड़ेंगी। भारत के खिलाफ मुकाबले से पहले इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर ने रोहित शर्मा की प्रशंसा की है। बटलर ने कहा कि आईपीएल में रोहित की टीम के साथ खेलने के दौरान उन्होंने भारतीय कप्तान को बेहद चतुर पाया। बटलर ने कहा,वे (भारत) एक शानदार टीम हैं और रोहित

शर्मा एक शानदार कप्तान हैं, जिन्होंने मुझे लगता है कि उन्हें अधिक पॉजिटिव और अधिक फ्रीडम के साथ खेलने के लिए कहा है। मैं उस अपनी आईपीएल जर्नी में थोड़ा छोटा था, लेकिन मुझे लगा कि वह बहुत अच्छा था, अच्छे निर्णय लेते हैं लेकिन हमेशा स्पष्ट नहीं होते हैं।

जोस बटलर ने 2016 और 2017 में मुंबई इंडियंस के लिए खेला था और ये उनका डेब्यू सीजन भी रहा। बटलर ने यह भी कहा कि रोहित शर्मा की कप्तानी उनकी बल्लेबाजी कौशल जितनी ही सहज है। इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर ने कहा, +जब उनके आस-पास की हर चीज दस लाख मील प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही होती है, तो उनमें शांति की भावना होती है। जब वह बल्लेबाजी करते हैं, तो वह काफी सहज दिखते हैं।

संक्षिप्त समाचार

अफरीदी ने रिजवान से कहा, सूर्यकुमार से सीखें

नई दिल्ली। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी ने टीम इंडिया के आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव की जमकर प्रशंसा की है। वहीं पाक के सलामी बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान से कहा है कि वह इस बल्लेबाज से सीखें। , इस समय आईसीसी टी20 रैंकिंग में सूर्यकुमार पहले जबकि रिजवान दूसरे नंबर पर खिसक गये हैं। सूर्यकुमार टी20 विश्व कप 2022 में एक अलग अंदाज में दिखे हैं। वे टीम के लिए उस समय खड़े नजर आए हैं, जब अन्य बल्लेबाज विफल हुए। जिम्बाब्वे के खिलाफ स्कोर को 180 के ऊपर भेजने में सूर्यकुमार की 25 गेंदों में 61 रन की पारी की अहम भूमिका रही थी। इससे अफरीदी भी प्रभावित थे और उन्होंने रिजवान को कहा कि वह इससे सीखें। सूर्या ने 25 गेंदों पर जहां 61 रन बनाए वहीं मोहम्मद रिजवान ने 32 गेंदों में 32 रन बनाए। ऐसे में इन दोनों पारियों को लेकर पाकिस्तान में काफी बहस हो रही है। जब इसी को लेकर अफरीदी से पूछा कि क्या रिजवान को अपना तरीका बदलना चाहिए, क्योंकि ज्यादातर टीमों ने उनके खेल को समझ लिया है पर रिजवान अपने खेल में बदलाव नहीं करना चाहते। इस सवाल के जवाब में अफरीदी ने सूर्या की तारीफ में कहा, +बिल्कुल सही कहा। वह 200-250 घरेलू मैच खेलकर इंडियन टीम में आया है। उस बल्लेबाज को अपनी गेम का पता है। जितनी भी शॉट मारता है वो अच्छी बॉल पर भी मारता है, क्योंकि उस चीज का उसने काफी अभ्यास किया है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में हारिस कर सकते हैं पाक पारी की शुरुआत

सिडनी। पाकिस्तान क्रिकेट टीम आईसीसी टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ जीत के लिए बल्लेबाजी क्रम में एक बदलाव कर सकती है। पाक टीम ने अभी तक यह तरीका जानबूझ कर नहीं आजमाया है। इसके तहत न्यूजीलैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में कप्तान बाबर आजम बल्लेबाजी क्रम में बदलाव करते हुए युवा बल्लेबाज मोहम्मद हारिस को मोहम्मद रिजवान के साथ पारी शुरू करने भेज सकते हैं। वहीं बाबर स्वयं तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतर सकते हैं। ऐसा करने से जहां टीम को मध्य क्रम में मजबूती मिलेगी। वहीं पारी की शुरुआत में हारिस आक्रामक बल्लेबाजी कर पावरप्ले में टीम को अच्छी शुरुआत दिला सकते हैं।

इससे पहले पूर्व पाकिस्तान कप्तान वसीम अकरम से लेकर भारतीय टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर तक ने बाबर को यही सलाह दी थी। अकरम और गंभीर का कहना था बाबर पारी की शुरुआत में रन नहीं बनान पा रहे हैं। वह मध्य क्रम में ज्यादा बेहतर कर सकते हैं। इसलिए उन्हें पारी शुरु करने की जगह मध्यक्रम में उतरना चाहिये। वहीं पारी की शुरुआत के लिए किसी अन्य को भेजना चाहिए। बाबर लगातार रूप मुकाबलों में पारी की शुरुआत करते हुए नाकाम रहे। वहींपिछले दो मुकाबलों में उनके जल्दी आउट होने के बाद हारिस ने आक्रामक पारी खेलकर टीम को जीत दिलायी।

अश्विन की जगह चहल को शामिल करे टीम इंडिया : कपिल

नई दिल्ली। टीम इंडिया के पूर्व कप्तान कपिल देव ने कहा है कि अनुभवी स्पिनर आर अश्विन की जगह पर युजवेंद्र चहल को शामिल किया जाना चाहिये। टीम इंडिया के सेमीफाइनल में पहुंचने के बाद भी कपिल अंतिम ग्यारह को लेकर खुश नहीं हैं। उन्होंने अश्विन को शामिल किये जाने पर सवाल उठाये हैं। जिम्बाब्वे के खिलाफ मैच में अश्विन की अच्छी गेंदबाजी के बाद भी कपिल को लगता है कि वह आगे के मैचों में अधिक उपयोगी नहीं रहेंगे। वहीं चहल को अभी तक टूर्नामेंट में मौका नहीं मिला है। अब देखना होगा कि गुरुवार को टीम इंडिया इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में कपिल की सलाह मानती है कि नहीं। कपिल ने कहा, 'अश्विन में अभी तक मुझे आत्मविश्वास नहीं दिखा है। उन्होंने विकेट हासिल किए लेकिन ऐसा नहीं लग रहा था कि वह अपनी लय में हैं।'

बटलर ने रोहित की कप्तानी क्षमता को सराहा, टीम में भरोसा जगाया

एडीलेड। इंग्लैंड के कप्तान कप्तान जोस बटलर ने भारतीय क्रिकेट टीम कप्तान रोहित शर्मा के रणनीतिक कौशल को सराहा है। बटलर ने भारत के साथ गुरुवार को होने वाले टी20 विश्वकप सेमीफाइनल से ठीक पहले आईपीएल में रोहित की कप्तानी में खेलने के अपने अनुभवों को साझा करते हुए ये बात कही। बटलर ने साल 2016 में मुंबई इंडियंस की ओर से आईपीएल में खेला था पर कुछ सत्र बाद में वह राजस्थान रॉयल्स में चले गये थे। रोहित की कप्तानी में आईपीएल 2016 और 2017 में खेलने वाले बटलर ने कहा कि वह उस समय थोड़े छोटे थे पर रोहित तब भी अपनी रणनीति में काफी बेहतर थे। रोहित आईपीएल इतिहास में सबसे सफल कप्तान हैं। इसके बाद उन्होंने गत वर्ष भारतीय टीम की कप्तानी संभाली थी। उनके नेतृत्व में भारत ने इस साल शानदार क्रिकेट खेला और अब टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंच गया है। बटलर ने रोहित के नेतृत्व की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्होंने भारतीय टीम में अधिक आजादी के साथ खेलने का भरोसा जगाया है। बटलर ने कहा, वे एक शानदार टीम हैं और रोहित एक शानदार कप्तान हैं, जिन्होंने मुझे लगता है कि उन्हें अधिक सकारात्मक और अधिक स्वतंत्रता के साथ खेलने के लिए कहा है।

ऑस्ट्रेलियाई टीम पर बरसे क्लार्क

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क ने अपनी परेलू धरती पर खराब प्रदर्शन के लिए कप्तान आरोन फिंच और उनकी टीम को फटकारा है। ऑस्ट्रेलियाई टीम इस बार टूर्नामेंट के नॉक आउट में भी नहीं पहुंच पायी है। क्लार्क ने एक कार्यक्रम में कहा, 'मुझे लगता है कि सामान्य रूप से ऑस्ट्रेलियाई, सबसे अधिक दबाव में खेल रहे थे और ऐसा लगा जैसे हम हारने से नहीं डरते। फिर भी हमने इस विश्व कप टीम में एक मजबूत टीम को रख, जो अभी तक सबसे खराब क्रिकेट खेली है।'

क्लार्क सबसे ज्यादा निराशा ऑस्ट्रेलिया के आयरलैंड मैच और फिर अफगानिस्तान पर केवल चार रन से जीत पर हुई। क्लार्क ने ऑस्ट्रेलियाई टीम के चयन पर भी नाराजगी जतायी है। इसमें बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क को अफगानिस्तान के खिलाफ निर्णायक मैच से बाहर करने का हैरानी भरा फैसला भी शामिल है। सिडनी में 5 नवंबर को इंग्लैंड ने बेन स्टोक्स (नाबाद 42 रन) के अनुभव की बदौलत सुपर-12 के ग्रुप एक के अहम मैच में श्रीलंका को चार विकेट से हराकर टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में प्रवेश किया, जिससे मेजबान और गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया का अभियान ग्रुप चरण में ही समाप्त हो गया।इंग्लैंड की दो प्रतिद्वंद्वी टीमों ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच सुपर 12 का मुकाबला बारिश की भेंट चढ़ गया था. इससे ऑस्ट्रेलिया का अभियान ग्रुप चरण में सात अंक पर खत्म हुआ क्योंकि उनकी उम्मीदें श्रीलंका की इंग्लैंड पर जीत पर टिकी थीं।

इंग्लैंड के होश उड़ाते आ रहे हैं सूर्यकुमार यादव

नई दिल्ली। टीम इंडिया जब गुरुवार 10 नवंबर को एडिलेड के मैदान पर इंग्लैंड के खिलाफ टी20 वर्ल्ड कप 2022 का सेमीफाइनल मुकाबला खेलने उतरेगी तो सभी की निगाहें सूर्यकुमार यादव पर टिकी होंगी, जो मौजूदा सीजन में तीन अर्धशतक लगाकर सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में तीसरे नंबर पर हैं। सूर्या ने इसी टीम के खिलाफ इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू किया था।

दाएं हाथ के बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव अब तक इंग्लैंड के खिलाफ 6 टी20 इंटरनेशनल मैच खेल चुके हैं। सूर्या ने अपना टी20 इंरनेशनल डेब्यू इसी टीम के खिलाफ किया था, लेकिन उस मैच में वे बल्लेबाजी नहीं कर पाए थे, क्योंकि टीम इंडिया मुकाबला जल्दी जीत गई थी। हालांकि, अगले ही मैच में उनको मौका मिला और सूर्या ने अपना तेज दिखाते हुए तूफानी अर्धशतक ठोक दिया।

विराट कोहली की फॉर्म में देखना चाहता था ये दिनक खिलाड़ी, अब कहा- उनका सेमीफाइनल खत्म जाए, सूर्यकुमार यादव को इंग्लैंड के खिलाफ खेलना खूब पसंद आता है।

उन्होंने अब तक 6 टी20 इंटरनेशनल मैचों की 5 पारियों में इस देश के खिलाफ 260 रन बनाए हैं। उनका औसत इंग्लैंड के खिलाफ 52 का है, जबकि स्ट्राइकरेट 195 से ज्यादा का है। सूर्या ने 1 शतक और 1 अर्धशतक इंग्लिश टीम के खिलाफ जड़ा है। वे 39 और 32 रन की तबड़तोड़ पारी भी इंग्लैंड के खिलाफ खेल चुके हैं।

शादी के लिए लड़का बनी कबड्डी खिलाड़ी

भरतपुर। *यहां दो कबड्डी खिलाड़ियों के बीच खेलते-खेलते प्यार हुआ जिसके बाद दोनो ने शादी कर ली। यह दोनो ही महिला खिलाड़ी थी। इसलिए शादी के लिए एक सर्जरी कराकर लड़का बनी। यह मामला राजस्थान के भरतपुर में भी देखने को मिला जहां एक महिला टीचर को अपनी ही छात्रा के साथ प्यार को गया। डीग की रहने वाली मीरा को बचपन से ही खेल में उन्हें काफी रूचि थी। इसलिए वह स्पोर्ट्स टीचर बन गईं। उनकी तैनाती राजकीय माध्यमिक विद्यालय नगला में हुई। उसी स्कूल में कल्पना भी पढ़ती थीं। कल्पना कबड्डी की बहुत अच्छी खिलाड़ी रही थीं। मीरा कल्पना को कबड्डी के नए-नए गुर सिखाती थीं। दोनों को एक दूसरे का साथ इतना पसंद आया कि उनके बीच प्यार हो गया। समय बीतता गया और दोनों अब शादी भी करना चाहती थीं पर समाज के कारण संभव नहीं हो रहा था। इसके बाद मीरा ने इलाज करवाया और सर्जरी के बाद वह लड़का बन गयी। मीरा से अपना नाम बदलकर आरव रख लिया। इसके बाद दोनो ने ही शादी कर ली।*

चीन में किम मिन वू चीनी फुटबॉल सुपरलीग में गोल करने के बाद उत्साहित नजर आये।

3 सत्रों में 3200 रुपये की उछली चांदी, सोना केवल 200 रुपये चढ़ा

नई दिल्ली। दिवाली से पहले जहां सोने-चांदी की रफ्तार सुस्त थी वहीं, दिवाली के बाद सोने और चांदी की रफ्तार तेज हो गई है। सोने के भाव में वृद्धि की तुलना में चांदी 7 गुना अधिक उछली है। 25 अक्टूबर के बंद भाव की तुलना में आज सोना जहां केवल 516 रुपये प्रति 10 ग्राम महंगा हुआ है तो वहीं चांदी 56696 रुपये से सीधे 60019 रुपये प्रति किलो पर पहुंच गई है। यह आंकड़े आईबीजेए के हैं।

चांदी के भाव में सबसे अधिक उछाल इधर तीन सत्रों में आया है। इंडिया बुलियंस ज्वेलर्स एसोसिएशन के आंकड़ों के मुताबिक 3 नवंबर को चांदी 57049 रुपये प्रति किलो के रेट पर बंद हुई थी। इसके बाद 4 नवंबर को यह उछल कर 58755 रुपये पर पहुंच गई और 7 नवंबर को यह 60000 रुपये के पार पहुंच गई। इन तीन सत्रों में चांदी के रेट करीब 3200 रुपये प्रति किलो चढ़े हैं। वहीं, अगर सोने की बात करें तो 3 नवंबर को 24 कैरेट सोना 50114 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। 4 नवंबर को 50754 और 7 नवंबर को 50754 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच कर बंद हुआ। जबकि, चांदी 60245 रुपये पर बंद हुई।

केडिया एडवाइजरी के प्रेसीडेंट व एनालिस्ट अजय केडिया कहते हैं कि फेड ब्याज दरों में और 75 आधार अंकों की वृद्धि के बाद उछाल आना स्वभाविक था। बुलियन की सुरक्षित निवेश की विशेषता भू-राजनीतिक जोखिमों के रूप में बनी हुई है। इसके अलावा सीर कर्जा और ईवी में इसके उपयोग के कारण चांदी को उच्च मांग है।

सिल्वर ईटीएफ और डिजिटल सिल्वर सेबी की मंजूरी के बाद मशहूर हो रहे हैं। भारत और चीन में त्योहार की मांग में तेजी (जनवरी 23 में चीनी नव वर्ष)। है। वहीं, ऽत्न में सिल्वर की भूमिका 2025 तक लगभग 16 ख्ण्ऽ तक पहुंचने की उम्मीद है। इसके अलावा भारत में चांदी का आयात बढ़कर 5,100 टन हो गया है।

मंदी की आहट से सहमा है आईटी सेक्टर? कर्मचारियों पर दिख रहा सबसे ज्यादा असर

नई दिल्ली। अमेरिका समेत दुनियाभर में मंदी को लेकर बहस छिड़ी हुई है। मंदी पर बहस से इतर ऐसे अर्थशास्त्रियों की सूची लंबी है जो मान रहे हैं कि दुनिया मंदी की चपेट में आ चुकी है। बीते कुछ समय भारत समेत वैश्विक स्तर पर टेक कंपनियों में छंटनी और हायरिंग फ्रीज होने की वजह से यह डर गहरा होता जा रहा है। मंदी की वजह से स्टार्टअप्स के सामने भी कई तरह की चुनौतियां आई हैं।

मंदी का मतलब: आमतौर पर मंदी को परिभाषित देश की जीडीपी से किया जाता है। किसी देश की जीडीपी लगातार दो या तीन तिमाही तक दबाव में रहती है या सिकुड़न होता है तो उसे तकनीकी मंदी कहा जाता है। अर्थव्यवस्था में सिकुड़न की वजह से ना सिर्फ निवेश का माहौल गड़बड़ होता है बल्कि उपभोक्ताओं के खर्च करने का मिजाज भी संकुचित हो जाता है। इस वजह से उपभोक्ता की डिमांड कमजोर होती है। डिमांड कमजोर होने की वजह से कंपनियां प्रोडक्शन पर कंट्रोल कर देती हैं।

टेक सेक्टर में छंटनी: वैश्विक स्तर पर Amazon, गूगल, फेसबुक, ट्विटर, श्वशयद जैसी कंपनियों ने या तो छंटनी का ऐलान किया है या फिर नई भर्तियों पर रोक लगा दी है। वहीं, भारत में भी आईटी कंपनियां ना सिर्फ छंटनी पर जोर दे रही हैं बल्कि नई भर्तियों पर भी रोक लगा रखी है। इसके अलावा अनएकेडमी, बायजू जैसे स्टार्टअप्स भी कर्मचारियों की संख्या कम करने में जुटे हैं।

टेक कंपनियां क्यों हैं आगे? मंदी के माहौल में सबसे ज्यादा आईटी सेक्टर में छंटनी या नई भर्तियों पर रोक देखी जा रही है। इसकी सबसे बड़ी वजह टेक कंपनियों के निराशाजनक नतीजे हैं। इसके अलावा टेक कंपनियों की स्टॉक की गिरती कीमतों और विज्ञापन से होने वाली आय ने संकट को और बढ़ा दिया है। वहीं, अमेरिका और यूरोप में आईटी बजट गिरने की चिंता में कंपनियों के कर्मचारियों के बोनस को फ्रीज करने या काटने की भी खबरें आई हैं।

पिछले हफ्ते की ही बात है जब बैंक ऑफ इंग्लैंड ने ब्रिटेन में सबसे खराब आर्थिक मंदी की आशंका जाहिर की है। अगर आशंका सच हो जाती है, तो यह भारतीय फर्मों और कर्मचारियों के लिए दोहरी परेशानी का कारण बनेगा क्योंकि ब्रिटेन में भारतीय आईटी कंपनियों के कई बड़े ग्राहक हैं।

बैंक ऑफ बड़ौदा के शेयर बने राकेट, एक्सपर्ट-बोले खरीदारी में है समझदारी

नई दिल्ली। शानदार तिमाही नतीजों के चलते बैंक ऑफ बड़ौदा के शेयर राकेट बन गए हैं। सोमवार को बैंक के शेयर 52 हफ्ते के हाई 161.60 रुपये पर पहुंच गए। सितंबर तिमाही के दौरान कंपनी के कोर प्री प्रोविजन ऑपरेटिंग प्रॉफिट (पीपीओपी) में 39 फीसद का ग्रोथ आया है। मार्केट के जानकारों ने वित्तीय वर्ष 2023 के लिए कंपनी के शेयरों में 24 फीसद की बूढ़ का अनुमान जताया है। अगर बैंक ऑफ बड़ौदा के शेयर प्राइस हिस्ट्री की बात करें तो एक महीने में 17 फीसद से अधिक की बढ़त हासिल की है। यह स्टॉक पिछले 3 महीने में 34 फीसद और एक साल में 54 फीसद से अधिक रिटर्न दे चुका है। जबकि, पिछले 3 साल में बैंक ऑफ बड़ौदा ने अपने निवेशकों को 64 फीसद से अधिक का रिटर्न दिया है। कुल 32 में 27 एक्सपर्ट ने बैंक ऑफ बड़ौदा के शेयरों को खरीदने की सलाह दी है। इनमें से 15 विश्लेषकों ने Strong Bu4 और 12 ने Bu4 की सिफारिश किया है। जिन लोगों के पास बैंक ऑफ बड़ौदा के शेयर पहले से हैं, उनके लिए 4 एक्सपर्ट ने होल्ड और एक ने तुरंत बेचने की सलाह दी है।

19 नवंबर को देशभर में बैंक हड़ताल, ATM समेत अन्य सेवाएं भी हो सकती हैं प्रभावित

नई दिल्ली। अगर आपको 19 नवंबर यानी शनिवार को बैंक संबंधित कोइ जरूरी काम है तो आपके लिए यह काम की खबर है। इस दिन बैंक देशभर के बैंक बंद रह सकते हैं। दरअसल, अखिल भारतीय बैंक कर्मचारी संघ (AIBEA) ने 19 नवंबर को बैंक हड़ताल (Bank strike on vnov) का आह्वान किया है, जिससे अगले सप्ताह पूरे देश में बैंकिंग सेवाएं प्रभावित होंगी। बता दें कि 19 नवंबर को तीसरा शनिवार है। पहले और तीसरे शनिवार को सभी बैंक खुले रहते हैं।

सोमवार को एक नियामक फाइलिंग में बैंक ऑफ बड़ौदा (BoB) ने कहा, अखिल भारतीय बैंक कर्मचारी संघ के महासचिव ने भारतीय बैंक संघ को हड़ताल का नोटिस दिया है, जिसमें बताया गया है कि उनके सदस्य अपनी मांगों को लेकर 19.11.2022 को हड़ताल पर जा सकते हैं।

बैंक ने कहा कि, बैंक हड़ताल के दिनों में बैंक की शाखाओं और कार्यालयों के सुचारू कामकाज के लिए आवश्यक कदम उठा रहा है, लेकिन हड़ताल की स्थिति में ब्रांचेज और कार्यालयों का कामकाज प्रभावित हो सकता है।

आज इन शहरों में बैंक बंद

आपको बता दें कि 8 नवंबर को नानक जयंती / कार्तिक पूर्णिमा / रहस पूर्णिमा के चलते आईजॉल, कानपुर, कोलकाता, चंडीगढ़, जम्मू, जयपुर, देहरादून, नई दिल्ली, नागपुर, बेलापुर, भुवनेश्वर, भोपाल, मुंबई, रांची, रायपुर, लखनऊ, श्रीनगर, शिमला और हैदराबादगुरु बैंक बंद हैं।

अडानी एक बार फिर दुनिया के दूसरे सबसे बड़े रईस बनने के बेहद नजदीक

नई दिल्ली। एशिया के सबसे बड़े अमीर अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी (Adani) एक बार दुनिया के अरबपतियों की लिस्ट में दूसरे पायदान की ओर अपने कदम मजबूती से बढ़ा दिए है। ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स की ताजी सूची में अडानी अब दूसरे नंबर पर काबिज बर्नार्ड अर्नाल्ट से केवल 7 अरब डॉलर की दूरी पर हैं। पहले नंबर पर एलन मस्क हैं। ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स (Bloomberg Billionaires Inde&) के आंकड़ों के मुताबिक, दुनिया के टॉप-10 अमीरों में शामिल भारतीय उद्योगपति गौतम अडानी की नेटवर्थ में एक दिन में 2.8 अरब डॉलर बढ़ी है। वहीं, एलन मस्क की संपति एक दिन में 6.6 अरब डॉलर कम हो गई है। इसके अलावा दुनिया के दूसरे सबसे अमीर लुई विटन के बॉस बर्नार्ड अर्नाल्ट की संपति में 520 मिलियन डॉलर की गिरावट देखी गई।

भुजिया बनाने वाली इस कंपनी के आईपीओ को तगड़ा रिस्पॉन्स

38 रुपये के प्रीमियम पर हैं बीकाजी फूड्स के शेयर

नई दिल्ली। भुजिया (नमकीन) और स्वीट्स बनाने वाली कंपनी बीकाजी फूड्स (Bikaji Foods) के आईपीओ को जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला है। बीकाजी फूड्स का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के आखिरी दिन 26.67 गुना सब्सक्राइब हो गया है। 881 करोड़ रुपये के इस आईपीओ में 2,06,36,790 शेयर ऑफर पर थे, जिस पर 55,04,00,900 शेयरों की बोली मिली है। बीकाजी फूड्स के आईपीओ का प्राइस बैंड 285-300 रुपये है। बीकाजी फूड्स का स्नैक्स, स्वीट्स और रेस्टोरेंट कंपनी हल्दीराम से सीधा कनेक्शन है।

बाजार पर नजर रखने वाले लोगों का कहना है कि बीकाजी फूड्स के शेयर ग्रे मार्केट में 38 रुपये के प्रीमियम पर ट्रेड कर रहे हैं। कंपनी के शेयर अगर 300 रुपये के अपर प्राइस बैंड पर अलॉट होते हैं और 38 रुपये के प्रीमियम के साथ इनकी लिस्टिंग होती है तो बीकाजी फूड्स के शेयर 338 रुपये पर लिस्ट हो सकते हैं। पब्लिक इश्यू से पहले बीकाजी फूड्स (Bikaji Foods) ने कहा था कि उसने एंकर इनवेस्टर्स से 262 करोड़ रुपये जुटाए हैं।

16 नवंबर को एक्सचेंज में लिस्ट हो सकते हैं कंपनी के शेयर

बीकाजी फूड्स (Bikaji Foods) के आईपीओ में शेयरों का अलॉटमेंट शुक्रवार 11 नवंबर 2022 को फाइनल हो सकता है। अगर इनवेस्टर्स को कंपनी के शेयर अलॉट होते हैं तो वह 15 नवंबर को उनके डीमैट अकाउंट में क्रेडिट हो जाएंगे। बीकाजी फूड्स के शेयर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (BSE) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE) पर 16 नवंबर 2022 को लिस्ट हो सकते हैं। इस आईपीओ का रजिस्ट्रार, लिंक इनटाइम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड है।

हल्दीराम से कंपनी के फाउंडर का कनेक्शन

बीकाजी फूड्स इंटरनेशनल लिमिटेड, देश के सबसे बड़े फास्ट मूविंग कंज्यूमर गुड्स ब्रांड्स में से एक है। यह इंडियन स्वीट्स और स्नैक्स बेचती है। बीकाजी फूड्स इंटरनेशनल के फाउंडर शिवरतन अग्रवाल हैं, जो कि हल्दीराम के फाउंडर गंगाभीषन अग्रवाल के पोते हैं। शिवरतन अग्रवाल ने साल 1986 में कंपनी की शुरुआत की थी। कंपनी, शिवदीप इंडस्ट्रीज लिमिटेड के रूप में शुरू हुई थी। साल 1993 में कंपनी का नाम बदलकर बीकाजी फूड्स (Bikaji Foods) किया गया। बीकाजी फूड्स के आईपीओ में क्वॉलीफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (QIB) का कोटा 80.63 गुना सब्सक्राइब हुआ है।

लिस्टिंग डे पर औंधेमुंह गिरने वाला शेयर आज भर रहा उड़ान

नई दिल्ली। रेनबो चिल्ड्रेन्स मेडिकेयर लिमिटेड कंपनी का आईपीओ 10 मई 2022 को शेयर बाजार में लिस्ट हुआ था। लिस्टिंग डे के दिन यह स्टॉक प्रति शेयर 91.90 रुपये के नुकसान के साथ बंद हुआ था। इसका इश्यू प्राइस 542 रुपये था और लिस्टिंग डे के दिन यह 450.10 रुपये पर बंद हुआ था, लेकिन रेनबो अब तेजी के आकाश पर इंद्रधुनष बनकर छा गया है। अब यह 303.90 रुपये उछल कर 845.90 रुपये पर पहुंच गया है।

शेयर प्राइस हिस्ट्री

पिछले 5 दिन में रेनबो चिल्ड्रेन्स मेडिकेयर लिमिटेड का शेयर 21 फीसद से अधिक उछला है। वहीं, एक महीने में इसने 23 फीसद से अधिक का रिटर्न दिया है। छह महीने में यह 87 फीसद से अधिक की उड़ान भर चुका है।

52 आईपीओ लिस्टिंग डे के दिन उछले

बीएसई पर दिए गए आंकड़ों के मुताबिक इस साल अब तक 69 आईपीओ आ चुके हैं। इनमें से 58 अपने इश्यू प्राइस से ऊपर लिस्ट हुए और 11 आईपीओ के निवेशकों को लिस्टिंग डे के दिन ही नुकसान उठाना पड़ा। इनमें 52 आईपीओ लिस्टिंग डे के दिन उछाल दर्ज किए और 17 को नुकसान उठाना पड़ा।

86 प्रतिशत घट गया टायर कंपनी का मुनाफा

1600 रुपये के पार है शेयर का भाव

नई दिल्ली। टायर कंपनी सिएट ने सितंबर तिमाही के नतीजे जारी कर दिए हैं। सितंबर तिमाही के दौरान कंपनी का मुनाफा 86 फीसदी घट गया है। वहीं, आखिरी कारोबारी दिन सिएट का शेयर भाव 2.03त्न उछलकर 1614.75 रुपये के स्तर पर जा चुका है। आपको बता दें कि 16 सितंबर को शेयर का भाव 1,787.75 रुपये तक गया था, जो 52 वीक का हाई लेवल है। मार्केट कैपिटल की बात करें तो 6530 करोड़ रुपये है।

कैसे हैं तिमाही नतीजे- सितंबर तिमाही में सिएट का मुनाफा 86 प्रतिशत घटकर छह करोड़ रुपये रह गया। कंपनी ने पिछले वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर अवधि में 42 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। हालांकि, सिएट की आय बढ़कर 2,894 करोड़ रुपये पर पहुंच गयी। पिछले साल सितंबर तिमाही में यह 2,452 करोड़ रुपये थी। दूसरी तिमाही में कंपनी का कुल खर्च भी बढ़कर 2,864 करोड़ रुपये हो गया, जो एक साल पहले की समान अवधि में 2,402 करोड़ रुपये था। 396 करोड़ रुपये निवेश को मंजूर- कंपनी ने कहा कि उसके निदेशक मंडल ने अगले दो साल में अंबरनाथ संयंत्र में फ्रामं रेडियल टायरों की क्षमता बढ़ाने के लिए लगभग 396 करोड़ रुपये के अतिरिक्त निवेश की मंजूरी दी है।

इस सप्ताह इन दो कंपनी के शेयरहोल्डर्स को 1 शेयर पर मिलेंगे 5 फ्री शेयर

नई दिल्ली। बोनस शेयर जारी करना कंपनी के मौजूदा शेयरधारकों को अतिरिक्त या मुफ्त शेयरों की घोषणा है। इसके जरिए मुनाफा का भुगतान करने के बजाय अपने शेयरधारकों को कमाई का एक हिस्सा डिस्ट्रिब्यूट किया जाता है। उदाहरण के तौर पर, यदि बोनस शेयरों का रेशियो 5ः1 है तो इसका मतलब होता है कि पात्र शेयरधारक जिनके नाम रिकॉर्ड डेट पर प्रत्येक 1 इक्विटी शेयर के लिए 5 अतिरिक्त शेयर मिलेंगे। दो स्टॉक Nykaa और Punit Commercials अगले सप्ताह 5ः1 के बोनस अनुपात पर एक्स-बोनस ट्रेड करेंगे।

1. Nykaa bonus share: इक्विटी शेयरों के बोनस इश्यू को 5ः1 के रेशियो में दिया जाएगा। इसकी मंजूरी बोर्ड ने 3 अक्टूबर, 2022 को अपनी बैठक में दी थी। कंपनी के बोर्ड ने

रिकॉर्ड डेट शुक्रवार, 11 नवंबर, 2022 निर्धारित की है। बीएसई के अनुसार, 10 नवंबर को स्टॉक एक्स-बोनस का कारोबार करेगा। कंपनी के शेयर पिछले साल नवंबर में बीएसई और एनएसई स्टॉक एक्सचेंज में लिस्ट हुए थे। कंपनी के शेयर सोमवार को 2.48त्न की तेजी के साथ 1,132 रुपये पर बंद हुए थे।

हर 1 शेयर पर 1 बोनस शेयर और 500 प्रतिशत का डिविडेंड दे रही यह मल्टीबैगर कंपनी

नई दिल्ली। जूट और जूट प्रॉडक्ट्स बनाने वाली कंपनी ग्लोस्टर लिमिटेड अपने निवेशकों को दोहरा तोहफा देने जा रही है। कंपनी अपने इनवेस्टर्स को बोनस शेयर के साथ डिविडेंड भी देने जा रही है। ग्लोस्टर लिमिटेड 1ः1 के रेशियो में बोनस शेयर देने जा रही है। यानी, कंपनी हर 1 शेयर पर 1 बोनस शेयर देगी। इसके अलावा, कंपनी हर शेयर पर 500त्न का अंतरिम डिविडेंड दे रही है। कंपनी के शेयर सोमवार को 3 पर्सेंट से ज्यादा की तेजी के साथ 1684.90 रुपये पर बंद हुए हैं।

तिमाही नतीजों के साथ ग्लोस्टर लिमिटेड ने सोमवार को अपनी बोर्ड मीटिंग में 500 पर्सेंट (हर शेयर पर 50 रुपये) का अंतरिम डिविडेंड अनाउंस किया है। कंपनी ने अंतरिम डिविडेंड के लिए 16 नवंबर 2022 की रिकॉर्ड डेट फिक्स की है। ग्लोस्टर लिमिटेड 30 नवंबर को या उससे पहले अंतरिम डिविडेंड का पेमेंट करेगी। कंपनी ने अभी बोनस शेयर की रिकॉर्ड डेट फिक्स नहीं की है। ग्लोस्टर लिमिटेड का मार्केट कैप करीब 922 करोड़ रुपये है।

इस साल अब तक शेयरों ने दिया 57 प्रतिशत का रिटर्न

ग्लोस्टर लिमिटेड के शेयरों ने इस साल अब तक 57 पर्सेंट का रिटर्न दिया है। साल की शुरुआत में यानी 3 जनवरी 2022 को कंपनी के शेयर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (BSE) पर 1074.20 रुपये के स्तर पर थे। ग्लोस्टर लिमिटेड के शेयर 7 नवंबर 2022 को बीएसई पर 1684.90 रुपये के स्तर पर बंद हुए हैं। पिछले एक महीने में ग्लोस्टर लिमिटेड के शेयरों में जबरदस्त तेजी आई है। कंपनी के शेयर पिछले 1 महीने में करीब 52 पर्सेंट चढ़ गए हैं। वहीं, पिछले एक साल में ग्लोस्टर लिमिटेड के शेयरों में 50 पर्सेंट का उछाल आया है।

दुनिया को तबाह करने पर तुले चीन-पाकिस्तान, मिलकर बना रहे कोरोना से भी ज्यादा घातक वायरस

रावलपिंडी। पाकिस्तान और चीन की दोस्ती दुनियाभर के देशों से छिपी हुई नहीं है। चीन कई बार पाकिस्तान की आर्थिक मदद कर चुका है। वहीं, पाकिस्तान भी चीन के काले कारनामों का समर्थन करने से भी नहीं चूकता है। दोनों की दोस्ती अब और खतरनाक स्तर पर पहुंच गई है। दोनों मिलकर दुनिया को तबाह करने पर तुले हुए हैं। रिपोर्ट्स हैं कि चीन और पाकिस्तान मिलकर कोरोना वायरस से भी अधिक घातक वायरस बना रहे हैं। दोनों ही देश रावलपिंडी की रिसर्च लैब में इस वायरस को विकसित करने के लिए पार्टनरशिप में काम कर रहे हैं।

न्यूज एजेंसी एएनआई की एक रिपोर्ट में विंग्यो-पॉलिटिक के हवाले से कहा गया है कि चुहान इंस्टीट्यूट ऑफ विफिरुस साइंस एंड टेक्नोलॉजी ऑफ वुहान प्रोजेक्ट (डीएसटीओ) द्वारा इस विशेष प्रोजेक्ट को अंजाम दिया जा रहा है। बता दें कि डीटीएसओ पाकिस्तानी सेना द्वारा चलाया जाता है। हालांकि, पाकिस्तान ने साल 2020 में किसी विशेष परियोजना को अंजाम दिए जाने की खबरों का खंडन किया था। विग्यो-पॉलिटिक की रिपोर्ट के मुताबिक, रिपोर्ट में बताए गए पाकिस्तान की जैव सुरक्षा स्तर-3 (बीएसएल-3) प्रयोगशाला के बारे में कुछ भी रहस्य नहीं है। यह प्रयोगशाला रावलपिंडी में चाकलाला छावनी में स्थित है। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि यह एक अत्यधिक सुरक्षित क्षेत्र है और इसका नेतृत्व टू स्टार जनरल करते हैं। कई मीडिया रिपोर्टों में दावा किया गया है कि चीन वास्तव में ऐसे रोगजनकों को विकसित करने पर काम कर रहा है जिनमें कोविड से कहीं अधिक नुकसान करने की क्षमता है। साल 2020 से दुनियाभर में कहर बरपाने वाले कोरोना वायरस के बारे में चीन पर गंभीर आरोप लगते रहे हैं। दुनिया में अब तक कोरोना से लाखों लोगों की जान जा चुकी है। जब से कोविड का दौर शुरू हुआ, तभी से चीन को शक की निगाह से देखा जाता रहा है। हाल ही में अमेरिका की एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि कोविड-19 चीन के ही लैब से निकला था। यह रिपोर्ट अमेरिका सीनेट कमेटी ने जारी की है।

इस रिपोर्ट का शीर्षक है, %कोविड-19 महामारी की उत्पत्ति का विश्लेषण।% इस रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि हो सकता है जानबूझकर वायरस को जन्म न दिया गया हो, लेकिन यह मानवीय भूल, मशीनी खराबी, किसी जानवर पर प्रयोग का परिणाम हो सकता है। वहीं, दूसरी ओर अब कोरोना वायरस चीन के लिए ही कहर बन चुका है। कई इलाकों में लॉकडाउन लागू किया जा चुका है, जबकि दुनिया की सबसे बड़ी आईफोन फैक्ट्री के आसपास के क्षेत्र को भी बंद कर दिया गया।

मास्को के रेड स्क्वायर में सैन्य परेड के दौरान पोज देते हुए लोग।

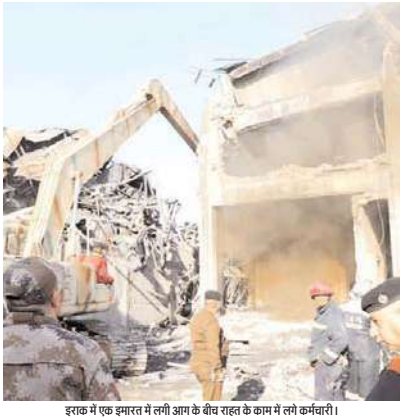

इराक में एक इमारत में लगी आग के बीच राहत के काम में लगे कर्मचारी।

जरूरत ज्यादा है और कमाई कम, सस्ता तेल खरीदते रहेंगे, अमेरिका-यूरोप को जयशंकर की दो टूक

नई दिल्ली । यूक्रेन और रूस में जारी जंग के बीच भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर एक बार फिर से मॉस्को पहुंचे हैं। उन्होंने इस दौरान अपने रूसी समकक्ष सेरगे लावरोव से मुलाकात की और एक बार फिर से यूक्रेन युद्ध को लेकर शांति का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि भारत पूरी मजबूती के साथ यह कहता है कि संवाद की ओर वापस लौटना चाहिए। एस. जयशंकर ने द्विपक्षीय मीटिंग के दौरान कहा, %अंतरराष्ट्रीय मसलों की बात है तो बीते कुछ साल कोरोना महामारी में गुजरे हैं। दुनिया भर के देशों पर वित्तीय दबाव पड़ा है और कारोबारी मुश्किलों का सामना करना पड़ा है। इस सबका वैश्विक अर्थव्यवस्था पर असर पड़ा है। अब हम इसके बाद यूक्रेन युद्ध का भी असर दुनिया पर देख रहे हैं।

विदेश मंत्री ने कहा कि इनके अलावा आतंकवाद और क्लाइमेट चेंज जैसे मुद्दे भी हैं, जिनका असर विकास और समृद्धि पर पड़ा है। हमारी बातों का दुनिया की सभी स्थितियों पर असर होगा। इसके अलावा क्षेत्रीय मसलों का हल भी हमारी बातचीत से निकलेगा। एस. जयशंकर ने इस मौके पर रूस और भारत के संबंधों का जिक्र करते हुए कहा कि हर स्तर पर

हमारे रिश्ते बेहद मजबूत हैं। पीएम नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की हाल ही में सितंबर में समरकंद में मुलाकात हुई थी। यही नहीं इस दौरान एस. जयशंकर ने रूस को याद दिलाया कि कैसे पश्चिमी देशों के विरोध के बाद भी दोनों देशों में तेल का कारोबार जारी रहा है। जयशंकर ने कहा कि भारत ने रूस से यूक्रेन में जारी जंग के बीच भी तेल की खरीद जारी रखी है। पश्चिमी देशों के तमाम विरोधों के बाद भी यह कारोबार जारी रहा है। उन्होंने कहा, %बहुध्रुवीय और नए संतुलन वाली दुनिया में भारत और रूस के बीच लगातार संबंध कायम रहे हैं। हमारे रिश्ते लंबे समय से रहे हैं और एक-दूसरे पर हमेशा से भरोसा कायम रहा है।% रूस से तेल खरीद और पश्चिमी देशों के दबाव को लेकर पत्रकारों के सवाल पर एस. जयशंकर ने कहा कि कई कारणों से एनर्जी मार्केट पर दबाव की स्थिति है। विदेश मंत्री ने कहा कि भारत ऐसा देश है, जो तेल और गैस की खपत में दुनिया में तीसरे स्थान पर है। लेकिन लोगों की कमाई बहुत ज्यादा नहीं है। हमारे लिए यह जरूरी है कि हम सही रेट पर संसाधनों को खरीदें। इसलिए तरह भारत और रूस के संबंधों से हमें फायदा हुआ है। हम इसे जारी रखेंगे। बता दें कि जयशंकर के रूस दौरे पर दुनिया भर की नजर है। चर्चाएं तो यहां तक हैं कि यूक्रेन और रूस की जंग के बीच भारत की ओर से मध्यस्थता भी की जाती है। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट में भी पीएम नरेंद्र मोदी के कद और पुतिन से उनके संबंधों के आधार पर मध्यस्थता को लेकर कयास लगाए गए हैं।

कंगाल पाकिस्तान को फिर मिलेगी आर्थिक मदद, सऊदी अरब देगा 4.2 बिलियन डॉलर का बेलआउट पैकेज

इस्लामाबाद। भीषण बाढ़ के कारण पैदा हुए आर्थिक संकट से पाकिस्तान को राहत मिलेगी है। यह राहत सऊदी अरब की मेहरबानी से आएगी। खबर है कि सऊदी अरब के प्रिंस और प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन सलमान अल सऊद इस महीने (नवंबर) पाकिस्तान का दौरा करने वाले है। इस दौरे से इस्लामाबाद को रियाद से 4.2 बिलियन डॉलर का बेलआउट पैकेज मिलने की उम्मीद है।

सऊदी नेता की यात्रा 21 नवंबर को संभावित रूप से निर्धारित है। वहीं अंतिम मंजूरी के लिए सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करने के लिए प्रिंस सलमान के विशेष सुरक्षा दस्ता इस सप्ताह के अंत तक इस्लामाबाद पहुंचने की संभावना है। इसके अलावा सऊदी अरब की ओर से ठोस निवेश करने की उम्मीद है। पाकिस्तान द्वारा उनकी यात्रा के दौरान हस्ताक्षर करने के लिए कई पाकिस्तान-सऊदी पेट्रोलियम समझौतों को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

वहीं पाकिस्तान सरकार एक संभावित समझौते पर भी भरोसा कर रही है, जो म्वादर में एक अत्याधुनिक रिफाइनरी की स्थापना के लिए सऊदी अरब से वित्तीय सहायता को पूरा करने में मदद करेगा। इसके साथ ही 10 अरब डॉलर की लागत से बनने वाली इस रिफाइनरी का वित्त पोषण सऊदी और चीन द्वारा संयुक्त रूप से किया जाएगा।

परियोजना के पूरा होने के बाद शुरू में चीनी कंपनियां रिफाइनरी का संचालन करेंगी। हालांकि, सूत्रों ने कहा कि अभी तक सब कुछ ठीक लग रहा है, लेकिन राजनीतिक शोर-शराबा प्रिंस सलमान की यात्रा को प्रभावित कर सकता है। वहीं कई आर्थिक चुनौतियों का सामना कर रही शहबाज शरीफ सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए उत्सुक है कि सऊदी प्रिंस पाकिस्तान के लिए एक और वित्तीय राहत पैकेज की घोषणा करे।

डॉक्टरों ने मेरे पैर से तीन गोलियां निकाली, इमरान खान ने पाक सरकार की खोली पोल

नई दिल्ली। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने कहा है कि गुजरांवाला में हुई राजनीतिक रैली में उन पर हुए हमले के बाद सर्जरी में उनके दाहिने पैर से तीन गोलियां निकाली गईं। पीटीआई प्रमुख ने सीएनएन को दिए साक्षात्कार के दौरान लाहौर के जमान पार्क में अपने आवास से बोलते हुए ये दावे किए हैं। सीएनएन ने इमरान खान के हवाले से कहा, ÷उन्होंने मेरे दाहिने पैर से तीन गोलियां निकालीं। बाई ओर कुछ छर्रे थे जिन्हें उन्होंने अंदर छोड़ दिया है।÷ इमरान खान ने यह भी कहा है कि हमले की उन्हें पूर्व में ही सूचना मिल गई थी। खुफिया एजेंसियों ने उन्हें इसके बारे में जानकारी दी थी। इमरान खान कहते हैं, ÷यार रखें, साढ़े तीन साल मैं सत्ता में था। मेरे पास खुफिया एजेंसियों, विभिन्न एजेंसियों के साथ मेरे अभी भी संबंध हैं।÷

इमरान खान ने आगे दावा किया कि उनके खिलाफ पूरी हत्या की साजिश की कल्पना दो महीने पहले की गई थी। एआरवाई न्यूज ने सोमवार को सीएनएन के साथ इमरान खान के साक्षात्कार के हवाले से बताया। उन्होंने कहा, ÷यह सब तब शुरू हुआ जब मुझे पीएम पद से निकाल दिया गया था और तब से यह उम्मीद की जा रही थी कि मेरी पार्टी अलग हो जाएगी, लेकिन इसके बजाय जो हुआ वह यह कि एक बड़ी सार्वजनिक प्रतिक्रिया हुई और मेरी पार्टी को अपार जनसमर्थन मिला। एआरवाई न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, इमरान खान ने दावा किया कि मौजूदा सरकार ने उन पर हमले की योजना बनाई थी और यह दिखाना चाहते थे कि एक धार्मिक कट्टरपंथी ने ऐसा किया÷। उन्होंने कहा, ÷यह एक सुनियोजित हत्या का प्रयास था। मैं पहले से ही ऑन एयर हो गया था और चेतावनी दी थी कि ऐसा हो होगा। गौरतलब है कि इससे पहले इमरान खान ने देश के राष्ट्रपति आरिफ अल्वी को एक पत्र लिखा, जिसमें उन्होंने ÷सत्ता के दुरुपयोग और कानूनों और संविधान के उल्लंघन÷ के खिलाफ कार्रवाई करने को कहा।

इमरान ने पत्र में लिखा, ÷कोई भी व्यक्ति या राज्य संस्था देश के कानून से ऊपर नहीं हो सकता है। हम राज्य के संगठनों के भीतर दुष्ट तत्वों के हाथों नागरिकों के साथ बढ़े पैमाने पर दुर्व्यवहार देख रहे हैं, जिसमें हिरासत में यातना और अपहरण शामिल हैं।÷ खान ने अल्वी को लिखे एक पत्र में लिखा है कि मैं आपसे अनुरोध कर रहा हूं कि सत्ता के दुरुपयोग और हमारे कानूनों और संविधान के उल्लंघन को रोकने के लिए अभी कार्रवाई करें, जो हर नागरिक के मौलिक अधिकारों को सुनिश्चित करता है।

सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर तीन दिन बाद इमरान पर हमले की रिपोर्ट दर्ज

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में सुप्रीम कोर्ट की फटकार के बाद पंजाब पुलिस ने इमरान खान पर हुए जानलेवा हमले की एफआईआर दर्ज कर ली है। राज्य की पुलिस ने आतंकवाद के आरोपों के तहत मामला दर्ज कर हिरासत में लिए गए संदिग्ध नवीद को मुख्य आरोपी के रूप में नामित किया है। सब-इंस्पेक्टर आमिर शहजाद की शिकायत पर सोमवार को रात 11 बजे आतंकवाद निरोधी कानून की धारा 7 और पाकिस्तान दंड संहिता की धारा 302, 324 और 440 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई। पीटीआई की ओर से आरोप लगाने के बावजूद प्राथमिकी से प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ और गृहमंत्री राणा सनाउल्लाह का नाम हटा दिया गया है वरिष्ठ खुफिया अधिकारी मेजर जनरल फैसल नसीर पर भी इमरान की हत्या की कथित साजिश का आरोप लगाया था। रिपोर्ट के मुताबिक पीटीआई नेता जुबैर खान नियाज़ी द्वारा मामले के पंजीकरण के लिए दायर एक आवेदन में वरिष्ठ सरकार और सैन्य कर्मियों को नामित किया गया था। मामला दर्ज होने से पहले हुई घटनाओं के अनुसार, आवेदक और पुलिस कर्मचारियों ने आवेदन के लिए एक ई-टैग बनाने को लेकर आमने-सामने हो गए। पुलिस ने बताया कि कर्मचारियों ने आवेदन की प्रति और उसमें रखी सामग्री को प्राप्त किए बिना ई-टैग जारी करने से इनकार कर दिया। उच्चतम न्यायालय ने पंजाब के पुलिस प्रमुख फैसल शाहकर को 24 घंटे के भीतर खान पर हमले की प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश दिया।

बाइडेन और पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप के लिए अग्निपरीक्षा के सामान मध्यावधि चुनाव

वाशिंगटन। अमेरिका में होने वाले मध्यावधि चुनाव सत्ता पर काबिज जो बाइडेन के साथ ही पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लिए एक अग्निपरीक्षा है। कहा जाता है कि इस चुनाव के नतीजों से ही 2024 में अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव की उम्मीदवारी तय होगी। अमेरिकी मध्यावधि चुनाव 2022 अगले कुछ वर्षों के लिए देश में राजनीति को परिभाषित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। मध्यावधि चुनाव राष्ट्रपति के कार्यकाल के मध्य में होते हैं। चूंकि पिछला राष्ट्रपति चुनाव 2020 में हुआ था, मध्यावधि 2022 में हो रहा है। प्रतिनिधि सभा के सदस्यों का कार्यकाल केवल दो वर्ष का होता है, इसकारण 435 सीटों के सभी सदस्य फिर से चुने जाते हैं। गवर्नरों और अन्य स्थानीय अधिकारियों के लिए अलग-अलग चुनाव होते हैं। ये चुनाव मौजूदा प्रशासन का आकलन हैं।

अगले हफ्ते 8 अरब हो जाएगी दुनिया की आबादी

भारत के लिए कैसे बजने वाली है खतरे की घंटी?

नई दिल्ली। दुनियाभर की जनसंख्या में अगले हफ्ते बड़ा बदलाव आने वाला है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, अगले हफ्ते दुनिया की आबादी आठ अरब पहुंचने वाली है। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या विभाग ने कहा कि आने वाले दशकों में जनसंख्या में वृद्धि जारी रहेगी, लाइफ एक्सपेंटेंसी 2050 तक बढ़कर औसतन 77.2 वर्ष हो जाएगी। 15 नवंबर तक, पृथ्वी पर मनुष्यों की संख्या बढ़कर आठ अरब हो जाएगी, जो 1950 में 2.5 अरब की संख्या से तीन गुना अधिक है। वहीं, भारत के लिए खतरे की घंटी बजने वाली है, क्योंकि अनुमान जताया गया है कि देश की जनसंख्या में लगातार बढ़ोतरी होगी और 2050 तक यह 1.7 बिलियन के पार जा सकती है।

संयुक्त राष्ट्र की भविष्यवाणी है कि दुनिया की आबादी 2030 में लगभग 8.5 बिलियन, 2050 में 9.7 बिलियन और 2080 के दशक में लगभग 10.4 बिलियन तक बढ़ती रहेगी। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष की रेचल स्नो ने कहा,

%%जनसंख्या वृद्धि दर, 1960 के दशक की शुरुआत में चरम पर पहुंचने के बाद, 2020 में नाटकीय रूप से घटकर 1 प्रतिशत से नीचे आ गई है।%% प्रजनन दर में निरंतर गिरावट के कारण यह आंकड़ा संभावित रूप से 2050 तक लगभग 0.5 प्रतिशत तक गिर सकता है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, साल 2021 में, औसत प्रजनन दर प्रति महिला 2.3 बच्चे थी, जो 1950 में लगभग पांच से कम थी, जो कि 2050 तक यह संख्या गिरकर 2.1 हो जाएगी। स्नो कहती हैं, %%हम दुनिया में एक ऐसे मुकाम पर पहुंच गए हैं, जहां इस दुनिया के अधिकांश देश और अधिकांश लोग ऐसे देश में रह रहे हैं, जो रिप्लेसमेंट फर्टिलिटी क्षमता से नीचे हैं।%% वहीं, वैश्विक जनसंख्या वृद्धि का एक प्रमुख कारण यह है कि औसत लाइफ एक्सपेंटेंसी में बढ़ोतरी जारी है। यह 2019 में 72.8 वर्ष, 1990 की तुलना में नौ वर्ष अधिक। संयुक्त राष्ट्र ने 2050 तक औसत लाइफ एक्सपेंटेंसी 77.2 वर्ष होने की भविष्यवाणी की है।

वहीं, विभिन्न क्षेत्रों में औसत आयु भी अलग-अलग हैं। वर्तमान में यूरोप में 41.7 वर्ष बनाम उप-सहारा अफ्रीका में 17.6 वर्ष औसत आयु है। इस बारे में स्नो कहती हैं कि यह अंतर कभी भी उतना बड़ा नहीं रहा जितना आज है। यह संख्या कुछ और भी हो सकती है, लेकिन अतीत की तरह नहीं जब देशों की औसत आयु ज्यादातर युवा थी। मिस स्नो आगे कहती हैं कि भविष्य में यह बढ़े के करीब हो सकती है।

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़ के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक राधिका वीरेंद्र, स्वामी- इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर इंडिया ईप्रेस ने साई प्रिंटर्स, 91, जहांगीराबाद, भोपाल से मुद्रित करवा कर, श्री परिसर, 23 पश्चिम निशातपुरा, डीआईजी बंगला, भोपाल से प्रकाशित किया। संपादक- राधिका वीरेंद्र* आरएनआई क्र. MPHIN/2018/77221, 0755-4223334 *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।